राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेलः-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार, 29 जुन 2022 वर्ष–5,अंक–154 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांवड़ लेकर जाना है हरिद्वार तो करना होगा इन नियमों का पालन, लाठी-डंडे बैन

देहरादून। दो साल बाद 14 जुलाई से शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा में कोई भी पहचान पत्र के बिना नहीं आ सकेगा। इसके अलावा सात फीट से ज्यादा ऊंची कांवड़ प्रतिबंधित होगी। धार्मिक भावनाएं भड़काने वाले गाने बजाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को पुलिस मुख्यालय में डीजीपी अशोक कुमार की अध्यक्षता में हुई यूपी, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, राजस्थान, रेलवे सुरक्षा बल और इंटेलिजेंस की बैठक में यह निर्णय लिए गए।

14 से 26 जुलाई तक यात्रा चलेगी- डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि 14 से 26 जुलाई तक कांवड़ यात्रा चलेगी। यहां करीब चार करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। लिहाजा, इस बार कोविड के बाद इसका संचालन काफी बड़ी चुनौती होगी। पूरे कांवड़ क्षेत्र को 12 सुपर जोन, 31 जोन और 133 सेक्टर में बांटा जाएगा, जिसमें लगभग नौ से दस हजार सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे।

सुरक्षा व्यवस्था के तहत ड्रोन, पीएसी, सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल और सोशल मीडिया की निगरानी भी बढ़ाई जाएगी। आपसी समन्वय के लिए यूपी, हरियाणा और हिमाचल के नोडल अफसर हरिद्वार में बने कांवड़ कंट्रोल रूम में बैठेंगे। इस बैठक में एडीजी सीआईडी हरियाणा आलोक मित्तल, एडीजी कानून व्यवस्था पंजाब ईश्वर सिंह सहित कई अफसर मौजूद रहे।

ये निर्णय भी हुए- हरिद्वार से दिल्ली-मेरठ वापस जाने के लिए कांवड़ियों को हाईवे के बाएं ओर से भेजा जाएगा। संयुक्त चेकिंग की जाएगी। एडीजी-मेरठ जोन राजीव सभरवाल के अनुसार, इस बार इस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे के कारण रूट में परिवर्तन कर नए रूट बनाए जा सकते हैं। एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने ऑनलाइन जुड़ते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर नॉनवेज एवं शराब की दुकानें न हों।

5 दिन में गिरेगी 31 महीने पुरानी उद्धव ठाकरे की सरकार!

अब तक चुप रही भाजपा का प्लान तैयार

मुंबई। महाराष्ट्र में राजनीतिक उथल पुथल के बीच भारतीय जनता पार्टी भी एक्शन मोड में नजर आने लगी है। खबर है कि पार्टी ने राज्य में बड़े सियासी बदलाव के लिए रणनीति तैयार कर ली है। साथ ही दावा किया जा रहा है कि इस सप्ताह महाराष्ट्र में नई सरकार की दस्तक हो सकती है। हाल ही में खबरें सामने आई थी कि पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के घर पर बैठकों का दौर जारी है।

रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ नेता ने बताया है कि भाजपा ने महाविकास अघाड़ी सरकार को गिराने के लिए रणनीति तैयार कर ली है। रिपोर्ट के मुताबिक, वरिष्ठ नेता ने कहा, अगर सब अच्छा चलता रहा, तो हम राज्य में शनिवार या रविवार को नई सरकार की स्थापना की उम्मीद कर सकते हैं। इधर, राज्य में शिवसेना में भी गतिविधियां तेज हो गई हैं।

जरूरत पड़ी तो किस पार्टी के साथ जाएगा शिंदे समूह, MNS हो सकती है सबसे मुफीद

संभावनाएं जताई जा रही हैं कि बागी नेता एकनाथ शिंदे एक-दो दिनों में मुंबई पहुंच सकते हैं और फ्लोर टेस्ट की अपील के साथ राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को पत्र सौंप सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एक अन्य योजना यह भी है कि भाजपा भी फ्लोर टेस्ट के लिए कोश्यारी को पत्र सौंप सकती और अगर

राज्यपाल विशेष सत्र बुलाते हैं, तो पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि बागी विधायक उपस्थित न हों। इससे एमवीए सरकार का गिरना तय हो जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ नेता ने बताया है कि भाजपा ने महाविकास अघाड़ी सरकार को गिराने के लिए रणनीति तैयार कर ली है।

आदेश का इंतजार!

रिपोर्ट के अनुसार, MVA सरकार को गिराने के लिए भाजपा आलाकमान की तरफ से आदेश का इंतजार कर रही है। शिवसेना में फूट और भाजपा या मनसे के साथ जाने को लेकर एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि एकनाथ शिंदे ने दावा किया है कि वह असली शिवसेना का प्रतिनिधित्व करते हैं, तो भाजपा या मनसे के साथ मिलने का सवाल ही पैदा नहीं होता।

उन्होंने कहा कि विशेष सत्र में बागियों के नहीं आने से अगर सरकार गिरती है और नया सीएम चुना जाता है, तो वह तत्काल नए स्पीकर के चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर देंगे, जो शिंदे की अगुवाई वाले गुट को असली सेना के रूप में मान्यता देंगे। नेता ने कहा कि योजनाओं का फुलप्रूफ होना जरूरी है। उन्होंने कहा, जब देवेंद्र फडणवीस ने अजित पवार के साथ अल सुबह शपथ ली और सरकार दो दिनों से कम समय के लिए चली, हमें ऐसे हालात नहीं चाहिए।

नितिन गडकरी ने किया ऐलान, वाहन चलाने वालों को ऐसे मिलेगा बड़ा फायदा

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ऐसी जानकारी साझा की है जिससे वाहन चलाने वालों को बड़ा फायदा होगा। गडकरी ने कहा कि सरकार आठ सीट वाले वाहनों में छह एयरबैग को अनिवार्य बनाएगी। इसके तहत कार कंपनियां गाड़ियों को और सुरक्षित बनाने के लिये आठ यात्रियों को ले जाने वाले वाहनों में छह एयरबैग उपलब्ध कराएंगे। गडकरी ने कहा कि हर साल देश में होने वाले पांच लाख सड़क हादसों में करीब 1.5 लाख लोगों की जान जाती है। गडकरी ने कहा कि हमने गाड़ियों में कम-से-कम छह एयरबैग अनिवार्य करने का निर्णय किया है...हम लोगों के जीवन को बचाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हमें इसके लिये वाहन उद्योग समेत सभी पक्षों से सहयोग की जरूरत है। इंटेल ने भारत में सड़क सुरक्षा बढ़ाने के अपने लक्ष्य के तहत इंडस्ट्री, शिक्षा जगत, और गवर्नमेंट ऑर्गेनाइजेशन को एक साथ लाने के लिए दिल्ली में इस सम्मेलन का आयोजन किया। इस पहल का मकसद सहयोग के जरिये सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाना है।

गडकरी ने कहा कि हर साल देश में होने वाले पांच लाख सड़क हादसों में करीब 1.5 लाख लोगों की जान जाती है।

जहालत एक किस्म की मौत है... बागी विधायकों पर कुछ इस तरह बरसे संजय राउत

मुंबई। राजनीति में दिलचस्पी रखने वाले लोग महाराष्ट्र के भयंकर ड्रामे के बीच बीच में शिवसेना सांसद संजय राउत के बयानों के भी खूब चटखारे ले रहे हैं। मजे की बात यह है कि संजय राउत भी उन्हें निराश नहीं कर रहे हैं। इसी कड़ी में संजय राउत का एक नया ट्वीट सामने आया है। इसमें उन्होंने बागी विधायकों को इशारों ही इशारों में कुछ ऐसा लिख दिया कि उसकी चर्चा होने लगी। उन्होंने अपने ट्वीट में जहालत, जाहिल, मौत और लाशें जैसे शब्दों का जिक्र कर दिया। दरअसल, शिवसेना सांसद संजय राउत ने मंगलवार को एक बार फिर से पार्टी के बागी विधायकों पर इशारों-इशारों में निशाना साधा। सुबह-सुबह संजय राउत ने अपने एक ट्वीट में लिखा, %जहालत, एक किस्म की मौत है, और जाहिल लोग चलती-फिरती लाशें हैं। माना जा रहा है कि यह शायराना अंदाजा उन्होंने शिंदे गुट पर निशाना साधते हुए लिखा है। इससे पहले भी बागी विधायकों को लेकर संजय राउत का आक्रामक बयान सामने

आया था। संजय राउत ने कहा था है गुवाहाटी में जो 40 लोग मौजूद हैं वे जिंदा लाश हैं। उनकी आत्मा मर चुकी है। इतना ही नहीं राउत ने यह भी कह दिया था कि जब वे मुंबई आएंगे तो उन्हें पोस्टमॉर्टम के लिए सीधा विधानसभा भेजा जाएगा।

राउत ने यह भी कहा था कि विद्रोहियों को मेरी खुली चुनौती है कि वे इस्तीफा दें और अपने वोटरों से नए सिरे से जनादेश मांगें। अतीत में छगन भुजबल, नारायण राणे और उनके समर्थकों ने अन्य दलों में शामिल होने के लिए शिवसेना विधायक के रूप में इस्तीफा दे दिया था। यहां तक कि मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थकों ने कांग्रेस विधायकों के रूप में इस्तीफा दे दिया था।

उधर गुवाहाटी के रेडिसन ब्लू होटल में बागी विधायक उद्धव गुट को मात देने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली में महाराष्ट्र के बीजेपी नेताओं का आना-जाना लगा हुआ है। अब देखना यह है कि महाराष्ट्र संकट में उद्धव ठाकरे की मुख्यमंत्री की कुर्सी जाएगी या बचेगी लेकिन एक बात तो तय है कि बागी विधायकों ने उद्धव सरकार की सिट्टी पिट्टी गुम कर दी है।

लड़की से दोस्ती का मतलब शारीरिक संबंध बनाने की छूट नहीं-हाई कोर्ट

मुंबई। बांबे हाई कोर्ट ने कहा कि अगर कोई लड़की किसी के साथ दोस्ताना बर्ताव करती है तो इसका मतलब यह नहीं है कि वह शारीरिक संबंध बनाने की अनुमति दे रही है। दोस्ताना संबंध रखने से शारीरिक संबंध बनाने की अनुमति नहीं मिल जाती। जस्टिस भारती डांगरे की एकल पीठ ने 24 जून को पारित आदेश में ये बातें कहीं। इसके साथ ही शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म के आरोपित आशीष चकोर की अग्रिम जमानत याचिका अदालत ने खारिज कर दी। महिला की शिकायत के अनुसार चकोर के साथ उसका बर्ताव मित्रवत था। आरोपित ने उससे शादी का वादा किया और शारीरिक संबंध बनाने को कहा। महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि चकोर ने उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। शिकायत के अनुसार जब महिला गर्भवती हो गई तो आरोपित शादी के वादे से मुकर गया। हालांकि चकोर ने यह दलील देते हुए गिरफ्तारी से संरक्षण की मांग की थी कि महिला ने सहमति से संबंध बनाए थे।पीठ ने कहा कि चकोर के खिलाफ आरोपों की पुलिस द्वारा और पड़ताल की जरूरत है और पता लगाना होगा कि क्या महिला को संबंध बनाने के लिए सहमति देने को बाध्य किया गया या नहीं।

हाई कोर्ट ने कहा कि महिला का पक्ष है कि शादी के वादे के बाद उसने शारीरिक संबंध बनाने की इजाज़त दे दी थी। जस्टिस डांगरे ने कहा, जब एक पुरुष महिला के साथ काम करता है तो हो सकता है कि उनमें किसी वजह से दोस्ती हो जाए क्योंकि दोस्ती करने के लिए जेंडर देखने की जरूरत नहीं होती। हालांकि यह पुरुष को इस शारीरिक संबंध बनाने का लाइसेंस नहीं देता है। हाई कोर्ट ने कहा, किसी भी संबंध में महिलाओं को सम्मान की उम्मीद होती है। दोस्ती में भी ऐसी ही उम्मीद रहती है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि इस मामले में आरोप है कि पहले शख्स ने संबंध बनाए लेकिन प्रेग्नेंसी के बारे में पता चलते ही दूसरे शख्स के साथ संबंध का आरोप लगाकर शादी से इनकार कर दिया। इस मामले में जांच की जरूरत है।

नागांव जिले में बाढ़ की स्थिति गंभीर, असम सरकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचा रही है राहत सामग्री

नागांव। असम के नागांव जिले में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। अधिकांश नदियों का जलस्तर घट रहा है। राज्य में 22 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। हालांकि कछार जिले के मुख्यालय शहर सिलचर में स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है क्योंकि कई इलाकों में अभी भी जलभराव है। वहीं नागांव के उपायुक्त निसर्ग हिवारे ने सोमवार को सूचित किया कि राज्य सरकार प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री उपलब्ध करा रही है, इसलिए , किसी को कुछ भी भुगतान नहीं करना है।

हमने लोगों को तीन दिन की राहत सामग्री भेजी

नागांव के उपायुक्त, निसर्ग हिवारे ने एएनआई को बताया राहत सामग्री प्रदान की जा रही है। सब कुछ सरकार की कीमत पर है। किसी को कुछ भी भुगतान नहीं करना है। हमें इस संबंध में एक शिकायत मिली है और कार्रवाई करेंगे। उन्होंने आगे कहा, हमने लोगों को तीन दिन की राहत

सामग्री भेजी है और अब पांच दिनों के लिए राहत सामग्री पहुंचाने की तैयारी कर रहे हैं। यह मुफ़्त है, किसी को कुछ भी भुगतान नहीं करना है।

अब तक कुल 117 लोगों की गई जान

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने शनिवार को बताया कि असम में बाढ़ की स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन राज्य में प्राकृतिक आपदा के कारण 28 जिलों में 33.03 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। एएसडीएमए के मुताबिक, इस साल राज्य में बाढ़ और भूस्खलन में अब तक कुल 117 लोगों की जान जा चुकी है। जिनमें से अकेले बाढ़ में 100 लोगों की मौत हो गई, जबकि शेष 17 की मौत भूस्खलन के कारण हुई।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अकेले बारपेटा जिले में 8.76 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, इसके बाद नागांव में 5.08 लाख, कामरूप में 4.01 लाख, कछार में 2.76 लाख, करीमगंज में 2.16, धुबरी में 1.84 लाख और 1.70 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। असम के दारांग जिले में प्रभावित भारतीय वायु सेना ने विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सात प्रकार के फिक्स्ड और रोटरी-विंग विमान तैनात किए, रविवार को अधिकारियों को सूचित किया। इससे पहले दिन में, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बाढ़ की स्थिति की निगरानी के लिए सिलचर का दौरा किया और बाढ़ से प्रभावित लोगों की स्थिति का जायजा लिया।

राहुल गांधी ने मेरे धैर्य की प्रशंसा की तो कोई अनावश्यक परेशान न होः पायलट

जयपुर। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने 2020में 'सरकार गिराने के षड्यंत्र' के बारे में मुख्यमयंत्री अशोक गहलोत के हालिया बयान को लेकर उन पर परोक्ष तौर पर निशाना साधते हुए सोमवार को कहा कि अगर राहुल गांधी ने उनके धैर्य की प्रशंसा की है तो किसी को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि शेखावत केन्द्रीय मंत्री बने क्योंकि राज्य में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद 2019 के लोकसभा चुनाव में वह जोधपुर से जीत गए। पायलट के अनुसार कांग्रेस पार्टी के सत्ता में होने के बावजूद जोधपुर सीट पर चुनाव हारना एक 'चूक' थी। गौरतलब है कि जोधपुर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का गृहनगर है और 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां से उनके बेटे वैभव गहलोत ने शेखावत के खिलाफ चुनाव लड़ा और हार गए। पायलट ने टोंक में संवाददाताओं से कहा कि हाल ही में दिल्ली में कांग्रेस के एक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने धैर्य की बात करते हुएमेरा (पायलट)नाम लिया था। उन्होंने कहा, ''दिल्ली के कार्यक्रम में, हमारे पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंच से मेरे धैर्य की प्रशंसा कर दी... अब अगर मेरे धैर्य की राहुल गांधी जैसे नेता प्रशंसा करते हैं या उसको पसंद करते हैं तो मुझको लगता है कि किसी को भी उनके बयान से अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होना चाहिए और इसको सही भावना में लेना चाहिए।'' उन्होंने कहा,''अब अगर मेरे धैर्य की प्रशंसा राहुल गांधी जैसे नेता करते हैं या उसको पसंद करते हैं तो मुझको लगता है कि अब आगे कुछ रहा नहीं बोलने के लिये।'

मुख्यमंत्री गहलोत के हालिया बयान के बारे में पायलट ने कहा, ''आज से पहले भी मुख्यमंत्री जी ने मेरे बारे में कुछ कह दिया था.. मुझे कुछ नाकारा, निकम्मा ऐसी बहुत सारी बातें बोल दी थीं.. लेकिन अशोक गहलोत जी अनुभवी हैं, बुजुर्ग हैं और पिता तुल्य हैं तो वो कभी कुछ बोल देते हैं तो मैं उसे अन्यथा नहीं लेता।'' उल्लेखनीय है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को कहा था कि ''केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने अपने बयान से साबित कर दिया है कि वे 2020 में उनकी सरकार गिराने (के प्रयास) में मुख्य किरदार थेऔर सचिन पायलट के साथ मिले हुए थे।''

गहलोत ने कहा, ''अब आप शेखावत जो सचिन पायलट जी का नाम ले रहे हो कि उन्होंने चूक कर दी, तो और साबित हो गया, ठप्पा लगा दिया आपने, खुद ने कि आप उनके साथ मिले हुए थे।''

इसका समर्थन करते हुए शहरी विकास मंत्री शांति धारीवाल ने रविवार को कोटा में कहा था कि गहलोत ने जो कुछ कहा वह सही था। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने हाल ही में चौमूं में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि 2020 में पायलट से चूक हो गई।

उन्होंने कहा, ''अगर वे पायलट मध्य प्रदेश (के विधायकों) जैसा फैसला लेते तो राजस्थान के 13 जिलों के लोग प्यासे नहीं होते। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी)पर काम चालू हो चुका होता।'' उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार राज्य के 13 जिलों में पेयजल के लिए महत्वपूर्ण ईआरसीपी को केंद्रीय परियोजना का दर्जा देने की मांग कर रही है।

पिछले भाजपा शासन के दौरान प्रदेश कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष रहे पायलट ने कहा कि पार्टी ने भाजपा को हर मोर्चे पर चुनौती दी है और कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी है। उन्होंने कहा कि पांच साल सत्ता में रहने के बाद 2013 में कांग्रेस चुनाव हार गई थी।

उन्होंने कहा, ''पांच साल में हर चुनाव में चाहे उपचुनाव हो, पंचायती चुनाव हो, नगरपालिका चुनाव हो, लोकसभा का उपचुनाव हो, हर जगह भाजपा को हराया और वसुंधरा की सरकार ने जो कुछ हमारे साथ किया.. उनकी लाठी भी हमने खाई और संघर्ष भी किया है और खूब रगड़ाई करने बाद यह हमारी कांग्रेस की सरकार बनी है।''

उन्होंने कहा कि उनका सारा ध्यान इस बात पर है कि राज्य में कैसे दोबारा कांग्रेस पार्टी की सरकार बने। उन्होंने कहा कि इसको लेकर वह तथा कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता लगातार बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए लगभग डेढ़ साल हैं और अगर पार्टी तथा सरकार मिलकर काम करेंगे तो मुझे पूरा विश्वास है कि राज्य में फिर से कांग्रेस की सरकार बना पाएंगे।''

पायलट ने कहा,''मेरा तो एकमात्र लक्ष्य यह है कि कार्यकर्ताओं को सम्मान मिलता रहे। चुनाव में जिन लोगों ने पार्टी के लिये सब कुछ किया उसको हम कैसे भुला सकते हैं?''

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि 2023 में राजस्थान के विधानसभा चुनाव में, भाजपा को सत्ता से दूर रखने का काम यदि कोई करेगा तो हम लोग करेंगे और हम लोग मिलकर काम करेंगे तो सरकार हमारी निश्चित रूप से

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार — फल की अभिलाषा छोड़कर कर्म करनेवाला मनुष्य ही मोक्ष प्राप्त करता है। - गीता

संपादकीय

डॉलर या युआन: कौन बड़ा ठग?

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

दुनिया के सात समृद्ध देशों के संगठन जी-7 के शिखर सम्मेलन में भारत को भी आमंत्रित किया गया था, हालांकि भारत इसका बाकायदा सदस्य नहीं है। इसका अर्थ यही है कि भारत इन्हीं समृद्ध राष्ट्रों की श्रेणी में पहुंचने की पर्याप्त संभावना रखता है। जर्मनी में संपन्न हुए इस सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाग लेकर सभी नेताओं से गर्मजोशी से मुलाकात की, भारत की उपलब्धियों का जिक्र किया और इस संगठन के सामने कुछ नए लक्ष्य भी रखे। मोदी ने यह तथ्य भी बेझिझक प्रकट कर दिया कि भारत की आबादी दुनिया की 17 प्रतिशत है लेकिन वह प्रदूषण सिर्फ 5 प्रतिशत ही कर रहा है। दूसरे शब्दों में उन्होंने समृद्ध राष्ट्रों को अपने प्रदूषण को नियंत्रित करने का भी संकते दे दिया। इसके अलावा उन्होंने समृद्ध राष्ट्रों से अपील की कि वे विकासमान राष्ट्रों की भरपूर मदद करें। संसार के देशों में बढ़ती जा रही विषमता को वे दूर करें। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन तथा अन्य नेताओं ने इस अवसर पर घोषणा की कि वे अगले पांच वर्षों में 600 बिलियन डॉलर का विनियोग दुनिया भर में करेंगे ताकि सभी देशों में निर्माण-कार्य हो सकें और आम आदमियों का जीवन-स्तर सुधर सके। जाहिर है कि इतने बड़े वित्तीय निवेश की कल्पना इन समृद्ध देशों में चीन के कारण ही जन्मी है। चीन ने 2013 में 'बेल्ट एंड रोड एनीशिएटिव' (बीआरडी) शुरु करके दुनिया के लगभग 40 देशों को अपने कर्ज से लाद दिया है। श्रीलंका और पाकिस्तान तो उसके शिकार हो ही चुके हैं। भारत के लगभग सभी पड़ौसी देशों की संप्रभुता को गिरवी रखने में चीन ने कोई संकोच नहीं किया है लेकिन जो बाइडन ने चीनी योजना का नाम लिये बिना कहा है कि जी-7 की यह योजना न तो कोई धर्मादा है और न ही यह राष्ट्रों की मदद के नाम पर बिछाया गया कोई जाल है। यह शुद्ध विनियोग है। इससे संबंधित राष्ट्रों को तो प्रचुर लाभ होगा ही, अमेरिका भी फायदे में रहेगा। यह विकासमान राष्ट्रों को सड़कें, पुल, बंदरगाह आदि बनाने के लिए पैसा मुहय्या करवाएगा। इस योजना के क्रियान्वित होने पर लोगों को सीधा फायदा मिलेगा, उनकी गरीबी दूर होगी, उनका रोजगार बढ़ेगा और लोकतंत्र के प्रति उनकी आस्था मजबूत होगी। संबंधित देशों के बीच आपसी व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ाने में भी इस योजना का उल्लेखनीय योगदान होगा। यह भी संभव है कि इस योजना में जुटनेवाले देशों के बीच मुक्त-व्यापार समझौते होने लगें। यदि ऐसा हुआ तो न सिर्फ विश्व-व्यापार बढ़ेगा बल्कि संबंधित देशों में आम लोगों को चीजें सस्ते में उपलब्ध होने लगेंगी। उनकी जीवन-स्तर भी सुधरेगा। बाइडन और अन्य जी-7 नेताओं का यह सोच सराहनीय है लेकिन लंबे समय से डॉलर के बारे में कहा जाता है कि यह जहां भी जाता है, वहां से कई गुना बढ़कर ही लौटता है। देखें चीनी युआन के मुकाबले यह कितनी कम ठगाई करता है?

तार्किकता की कसौटी पर खरा उतरे पाठ्यक्रम

विश्वनाथ सचदेव

सैंतालीस साल पहले 26 जून को स्वतंत्र भारत के इतिहास का एक ऐसा अध्याय लिखा गया था, जिसने स्वतंत्रता और जनतंत्र की हमारी अवधारणा को सवालों के घेरे में ला दिया था। इन 47 सालों में देश में बहुत कुछ बदला है। आपातकाल के उन दिनों को लेकर आज भी कांग्रेस पार्टी को कोसा जाता है, और स्वयं कांग्रेस भी अपने कालखंड के उस अध्याय को एक दुस्वप्न की तरह देखती है। भले ही आपातकाल एक काला अध्याय हो पर उसे याद रखना ज़रूरी है, ताकि देश सावधान रहे कि फिर कभी कोई शासक वैसा कदम उठाने की कोशिश न करे। यही कारण है कि हमारे स्कूलों-कॉलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को उस काल की याद दिलायी जाती है। ज़रूरी है हमारी नयी पीढ़ी हमारे हालिया इतिहास के उस अध्याय से शिक्षा लेने के लिए उसे जाने-समझे। पर गुजरात के विद्यार्थियों को शायद अब यह अवसर नहीं मिलेगा। 'छात्रों पर पड़ रहे बोझ को कम करने' और पाठ्यक्रम को 'तर्कसंगत' बनाने के नाम पर 'नेशनल काउंसिल ऑफ एजूकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग' (एनसीईआरटी) ने बारहवीं कक्षा की राजनीति शास्त्र की किताब में से आपातकाल से संबंधित अध्याय को हटा दिया है। यही नहीं, सन 2002 में हुए गुजरात के सांप्रदायिक दंगों वाले अध्याय को भी हटा दिया गया है। शायद इसी बात को देखते हुए आपातकाल वाले अंग भी हटाये गये होंगे ताकि संतुलन बनाने की कोशिश का दावा किया जा सके। इन दो अध्यायों के साथ ही विभिन्न कक्षाओं के पाठ्यक्रम से और भी कई चीजें हटायी गयी हैं। उदाहरण के लिए 'जनतंत्र और विभिन्नता', 'लोकप्रिय संघर्ष और आंदोलन', 'जनतंत्र की चुनौतियां' जैसे विषयों वाली सामग्री को भी 'तर्कसंगत' बनाने के नाम पर पाठ्यक्रम से हटा दिया गया। यह समझना आसान नहीं है कि दसवीं कक्षा की इतिहास की किताब में से प्रसिद्ध शायर फैज अहमद फैज़ की कविता के अंश क्यों हटाये गये और 7वीं-8वीं की समाज विज्ञान की किताब में से दलित लेखक ओमप्रकाश वाल्मीकि के संदर्भों को हटाने के पीछे क्या तार्किकता है। इस तरह के और बहुत से उदाहरण भी हैं जो 'एनसीईआरटी' की इस कार्रवाई के औचित्य पर सवाल उठाते हैं। ऐसा ही एक उदाहरण शीतयुद्ध और गुट-निरपेक्ष आंदोलन से संबंधित अध्याय को हटाने का है। ज्ञातव्य है कि नेहरू सरकार की नीतियों की आलोचना करने के बावजूद हमारी वर्तमान सरकार कुल मिला कर उसी विदेश-नीति को अपनाये हुए है जो कांग्रेस की सरकारों ने अपनायी थी। लगता है इस बात को छिपाने के लिए ही गुट-निरपेक्षता की बात से बचने की कोशिश की गयी है। पाठ्यक्रम में परिवर्तन एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। इस बात को भी समझा जा सकता है कि विभिन्न सरकारें अपनी विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए विद्यालयों में पाठ्यक्रम में कुछ परिवर्तन कर सकती हैं। पर तथ्यों से खिलवाड़ की बात समझ में नहीं आती। सन 2002 में जब गुजरात में भीषण दंगे हुए थे तो तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने गुजरात के तब के मुख्यमंत्री को 'राजधर्म निभाने' की सलाह दी थी। यह कोई छिपी हुई बात नहीं है और निश्चित रूप से यह वाजपेयी जी की सोच को उजागर करने वाली बात है। ऐसी नेक सलाह किसी भी मुख्यमंत्री को बुरी नहीं लगनी चाहिए। यह सलाह सिर्फ किसी एक राजनेता के लिए नहीं थी, उन सबके लिए थी जिन्हें जनता ने राज करने के लिए चुना है। और राजधर्म निभाने वाली यह सलाह हर शासक को हमेशा याद रखनी चाहिए। हमारे विद्यार्थियों को भी पता होना चाहिए कि जनतंत्र में किसी शासक के किस तरह व्यवहार करने की अपेक्षा की जाती है। पता नहीं 'एनसीईआरटी' को यह बात विद्यार्थियों पर अनावश्यक बोझ क्यों लगी, और इसे पाठ्यक्रम से हटा कर उसे तार्किक कैसे बनाया गया। विद्यार्थियों पर पढ़ाई का बोझ घटाना और पाठ्यक्रम को तार्किक बनाना, कतई गलत नहीं है। पर ऐसा कोई निर्णय लेने से पहले उन सबको विश्वास में लिया जाना ज़रूरी है जिन पर इस कार्रवाई का असर पड़ने वाला है। यहां सवाल विद्यार्थियों का ही नहीं है, अध्यापकों और शिक्षाविदों का भी है। विद्यार्थियों को अपना 'गौरवशाली इतिहास' पढ़ाने की बात अक्सर की जाती है। यह भी कहा जाता है कि हमारे विद्यार्थियों को हमारी प्राचीन संस्कृति का भी समुचित ज्ञान होना चाहिए। इसके साथ-साथ इस बात की भी दुहाई दी जाती है कि पहले अंग्रेज़ों ने, और फिर हमारे इतिहासकारों ने, हमें सही इतिहास से वंचित रखा है। ऐसा कुछ है तो उसे ठीक किया ही जाना चाहिए। ठीक करने का यह मतलब नहीं है कि आधी-अधूरी सामग्री परोसी जाये। वर्ग विशेष को वेद न पढ़ने देने की बात अप्रिय होने के बावजूद एक हकीकत है। तो फिर आज के विद्यार्थियों को यह क्यों न बताया जाये कि प्राचीन भारत में ऐसी व्यवस्था थी, और उन्हें क्यों न समझाया जाये कि हर पुरानी बात सही हो यह ज़रूरी नहीं होता। यह एक हकीकत है कि प्राचीन भारत में 'तथाकथित अस्पृश्यों को निर्धारित काम करने के अलावा कुछ करने पर रोक थी', फिर यह तथ्य गुजरात में कक्षा छह की पुस्तक में से क्यों हटा दिया गया। प्राचीन भारत में ऐसी व्यवस्था बनाये जाने के कारण कुछ भी रहे हों, कालांतर में उस व्यवस्था के बदलने के हमारे समाज के प्रयासों को रेखांकित करने के लिए ज़रूरी है कि गलत प्राचीन व्यवस्था की जानकारी आज की या आने वाली पीढ़ी को होनी चाहिए। जैसे आज की पीढ़ी को यह जानना ज़रूरी है कि सन 1975 में देश में आपातकाल लागू किया गया था और वह नितांत अनावश्यक और गलत था, वैसे ही इस पीढ़ी को यह जानने का भी हक है कि वर्ष 2002 में गुजरात में दंगों की आग में हमारे बहुधर्मी भारत की पूरी अवधारणा को राख कर देने की कोशिश हुई थी। इतिहास से आंख चुरा कर नहीं, इतिहास की आंख में आंख डालकर ही बीते कल की गलतियों को सुधारा जा सकता है। पिछले एक अर्से से देश में पाठ्यक्रम को बदलने की कोशिशें हो रही हैं। कुछ अनुचित है तो वह निश्चित रूप से बदला जाना चाहिए; गलत है तो उसे हटाया जाना चाहिए। लेकिन, तार्किकता के नाम पर किसी अप्रिय सत्य को ढकना अपने आप को छलना है। यह प्रवृत्ति रुकनी चाहिए। आपातकाल हमारे समय का एक काला अध्याय है, उतना ही काला अध्याय सांप्रदायिकता की आग फैलने-फैलाने वाला है। ऐसी घटनाओं को भुला कर नहीं, उनसे कुछ सीख कर ही हम आने वाले कल को बेहतर बना सकता है। बहुत नाजुक विषय है स्कूलों-कॉलेजों में पढ़ाये जाने वाली सामग्री का। यह सामग्री तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए। इतिहास सही हो, यह ज़रूरी है, पर उतना ही ज़रूरी यह भी है कि शासकों की विचारधारा इस इतिहास को प्रभावित न करे। 21वीं सदी तार्किकता की सदी है, यह बात ध्यान में रखनी होगी। तार्किकता की सीढ़ी पर चढ़ कर ही किसी बात की विवेकसंगतता को समझा जा सकता है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

मोबाइल में बचपन, अवसादग्रस्त नई पीढ़ी

(लेखक-कृष्ण कान्त शुक्ल)

आज हम सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के दौर में जी रहें हैं। जहां सोशल मीडिया ने समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को भी समाज की मुख्य धारा से जुड़ने और खुलकर अपने विचारों को अभिव्यक्त करने का अवसर दिया है। ऐसे में सोशल मीडिया की उपयोगिता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। लेकिन अभियक्ति का यही माध्यम अब सामाजिक जीवन को छिन्न-भिन्न कर रहा है। इसमें भी कोई दो राय नहीं है। आज की सच्चाई यह है कि सामाजिक और पारिवारिक खुशियां अब सोशल न होकर साइट्स पर निर्भर हो गई हैं। लोगों की जिंदगी एक मोबाइल में कैद हो गई है। जन्मदिन से लेकर शादी विवाह, मैरिज एनवर्सरी सब इसी पर मनाया जा रहा। ऐसे में नोबेल पुरुस्कार विजेता डेसमंड टुटू की लिखी एक बात याद आती है। एक बार उन्होंने लिखा था कि, 'जब मिशनरी अफ्रीका आए, तो उनके पास बाईबल थी, और हमारे पास जमीन। उन्होंने कहा हम आपके लिए प्रार्थना करने आये हैं और फिर क्या था हमने आखें बंद कर ली। लेकिन जब आंखें खोली तो हमारे हाथ में बाईबल थी, और उनके पास हमारी जमीन।' आज कुछ यूं ही हुआ है सोशल मीडिया को लेकर हम लोगों के साथ। शुरुआत में सोशल मीडिया के माध्यम जैसे - फेसबुक, व्हाट्सएप आदि हमें मुफ़्त में उपलब्ध कराए गए और हम उसमें इतना मशगूल होते गए कि हमें भान ही नहीं रहा कि कब हमारी खुशियां, हमारा सामाजिक ताना-बाना और हमारी निजता तक हमसे छीन ली गई। आज हम क्या सोचते हैं? वह हमारे अपनों से पहले ये सोशल मीडिया साइट्स का इंटिलिजेंस समझ लेता है। उसी अनुरूप हमें चीज़ों का सुझाव देता सो अलग। कहने का अर्थ यह हुआ कि हम पूरी तरह से सोशल मीडिया की गिरफ्त में आकर असामाजिक हो गए है। वहीं बात करें तो सोशल मीडिया साइट्स के महत्व को बताने के लिए 30 जून 2010 को दुनियभर में विश्व सोशल मीडिया दिवस की शुरुआत हुई थी। आज एक दशक से ज्यादा समय बीत जाने के बाद इस दिवस का विश्लेषण करने पर देखा जाये तो बच्चे, युवा, हर उम्र के लोग सोशल मीडिया के किसी न किसी साइट्स पर एक्टिव हो गए हैं। फेसबुक पर हजारों ऑनलाइन फ्रेंड्स हैं। शुरुआत में फेसबुक खूब प्रचलन में रहा, अब व्हाट्सएप पर जिंदगी बीत रही है। यूथ में इंस्टाग्राम का क्रेज है। नतीजतन हजार दोस्त होने के बाद भी लोग अवसादग्रस्त हो रहे हैं। सामाजिक दायित्व का लोप हो गया है, परिवार टूट रहा और सजीव सामाजिक संबंध खत्म होते जा रहें। गरीब-मध्यम वर्ग से लेकर सेलिब्रिटी तक सब सोशल मीडिया से जुड़े हैं। नाते रिश्तेदारी सब मोबाइल पर चल रही। नई पीढी में बच्चा न रोये इसलिए मां बच्चे के हाथ में मोबाइल थमा देती है। मां भी व्हाट्सएप,फेसबुक, यूट्यूब पर बिजी हो गयी है। सबका अपना अलग मोबाइल है, सबकी अपनी आभासी दुनिया है। जो सिर्फ मोबाइल तक सीमित है। बात यही नहीं रुकती बड़े-बड़े राजनीतिक, सामाजसेवी, सेलिब्रिटी भी हर दिन सुबह, शाम फोटोजीवी होने का प्रमाण दे रहे हैं। बिना फोटो पोस्ट किये दिन नहीं गुजर रहा। हाथ की उंगलियां मोबाइल से चिपकी हैं। दिनभर पोस्ट, लाइक, शेयर और कमेंट चल रहा है। ऐसे में कहीं न कहीं सोशल मीडिया की लत अब अपने चरम पर पहुँच गई है, लेकिन दुर्भाग्य है कि हम अभी भी उसको लेकर सचेत नहीं हो पा रहें हैं। ग्लोबल वेब इंडेक्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एक व्यक्ति औसतन 2 घंटे 22 मिनट सोशल मीडिया पर ऑनलाइल रहता है और एक आंकड़े के मुताबिक, वर्तमान में भारत में तकरीबन 350 मिलियन सोशल मीडिया यूज़र हैं। इसके अलावा अनुमान है कि वर्ष 2023 तक यह आंकड़ा लगभग 447 मिलियन तक पहुँच जाएगा। ऐसे में सोशल मीडिया की बढ़ती लत हमारे समाज को एक ऐसी दिशा में ले जा रहा है। जहां से हमारा अतीत बहुत पीछे निकल चुका होगा और हमारा वर्तमान काफ़ी विकृत होगा। सोचिए सामाजिक संजाल में व्यक्ति क्यों रहता है? लेकिन जब यही सोशल मीडिया हमारे सामाजिक ताने-बाने को ही नष्ट कर देगा। फ़िर मानव जीवन में आख़िर क्या शेष रह जाएगा? ऐसे में वक्त रहते हमें जगने की जरूरत है और हमारे ऊपर सोशल मीडिया का अधिपत्य स्थापित हो जाए। उससे पहले हमें सोशल मीडिया को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। आज हमें कई शोध यह बताते हैं कि यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया का आवश्यकता से अधिक उपयोग करता है तो उसका मस्तिष्क नकारात्मक रूप से प्रभावित होता है और डिप्रेशन का शिकार तक व्यक्ति हो जाता जाता है। ऐसे में सोशल मीडिया हमारे सामाजिक सम्बन्धों को ही ख़राब नहीं कर रहा, बल्कि स्वयं के जीवन पर भी असर डाल रहा है। फिर कहने का निहितार्थ यही है कि सोशल मीडिया के नाम मात्र से भ्रम में मत आइए कि यह हमें सोशल बना रहा है। वास्तविकता तो सिर्फ इतनी है कि आज सारे रिश्ते-नातों को अंगूठा दिखाया जा रहा है। सोशल मीडिया के भीतर सुख-दुःख, क्रोध, अपमान, निराशा का एक वृहद संसार रचा जा रहा है। ऐसे में समय के साथ चलना और बदलाव को स्वीकार करना भले ही बुद्धिमत्ता का परिचायक है, लेकिन इसके विकराल होते भ्रमजाल और मोहपाश में पड़ने से हमारी अपनी संस्कृति-सभ्यता के मानदंड और नैतिक मूल्य भी प्रभावित हो रहें हैं। यह समझने की जरूरत है, वरना कहीं ऐसा न हो कि जब हम जागे तो हमारे हाथ में बाईबल की भांति सिर्फ़ सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने के लिए मोबाइल-फोन ही बचें और बाकी पारिवारिक, सामाजिक प्रतिष्ठा एवं नैतिक मूल्यों को हम खो दें!

स्वतंत्र पत्रकार एवं शोधार्थी

आज के कार्टुन

समान न्याय

श्रीराम शर्मा आचार्य/ भारतीय संस्कृति सबके लिए सभी भांति विकास का अवसर देती है। यह अति उदार संस्कृति है। विश्व में अन्य कोई धर्म संस्कृति में ऐसा प्रावधान नहीं है। उनमें एक ही इष्टदेव और एक ही तरह के नियम को मानने की परम्परा है। इसका उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। अगर करता है तो दण्डनीय होगा। एक उद्यान में कई तरह के पौधे और फूल उगते हैं। इस भिन्नता से बगीचे की शोभा ही बढ़ती है। यही बात विचार उद्यान के सन्दर्भ में स्वीकार की जा सकती है। इसमें अनेक प्रयोग परीक्षणों के लिए गुंजाइश रहती है और सत्य को सीमाबद्ध कर देने से उत्पन्न अवरोध की हानि नहीं उठानी पड़ती। इस दृष्टिकोण के कारण नास्तिकवादी लोगों के लिए भी भारतीय संस्कृति के अंग बने रहने की छूट है, जबकि उनके लिए धर्मो के द्वार बन्द हैं। भारतीय संस्कृति की दूसरी विशेषता है। कर्मफल की मान्यता। पुनर्जन्म के सिद्धान्त में जीवन को अवांछनीय माना गया है और मरण की उपमा वस्त्र परिवर्तन से दी गई है। कर्मफल की मान्यता नैतिकता और सामाजिकता की रक्षा के लिए नितान्त आवश्यक है। मनुष्य की चतुरता अद्भुत है। वह सामाजिक विरोध और राजदण्ड से बचने के अनेक हथकण्डे अपनाकर कुकर्मरत रह सकता है। ऐसी दशा में किसी सर्वज्ञ सर्व समर्थ सत्ता की कर्मफल व्यवस्था का अंकुश ही उसे सदाचरण की मर्यादा में बांधे रह सकता है। परलोक की, स्वर्ग नरक की, पुनर्जन्म की मान्यता यह समझाती है कि आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में कर्म का फल भोगना पड़ेगा। दुष्कर्म का लाभ उठाने वाले यह न सोचें कि उनकी चतुरता सदा काम देती रहेगी और वे पाप के आधार पर लाभान्वित होते रहेंगे। इसी प्रकार जिन्हें सत्कर्मो के सत्परिणाम नहीं मिल सके हैं उन्हें भी निराश होने की आवश्यकता नहीं है। अगले दिनों वे भी अदृश्य व्यवस्था के आधार पर मिल कर रहेंगे। संचित, प्रारब्ध और क्रियमाण कर्म समयानुसार फल देते रहते हैं। इस मान्यता को अपनाने वाला न तो निर्भय होकर दुष्कर्मो पर उतारू हो सकता है और न सत्कर्मो की उपलब्धियों से निराश बन सकता है। अन्य धर्म जहां अमुक मत का अवलम्बन अथवा अमुक प्रथा प्रक्रिया अपना लेने मात्र से ईश्वर की प्रसन्नता और अनुग्रह की बात कहते हैं, वहां भारतीय धर्म में कर्मफल की मान्यता को प्रधानता दी गयी है और दुष्कर्मो का प्रायश्चित करके क्षति पूर्ति करने को कहा गया है।

सू-दोकू नवताल -2152

			1	5	7			
	7	2		6		9	8	
		5				6		
8			2		9			4
		4				1		
5			8		4			7
		6				8		
	1	7		4		5	3	
			3	9	5			

सू-दोकू -2151 का हल

9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2152

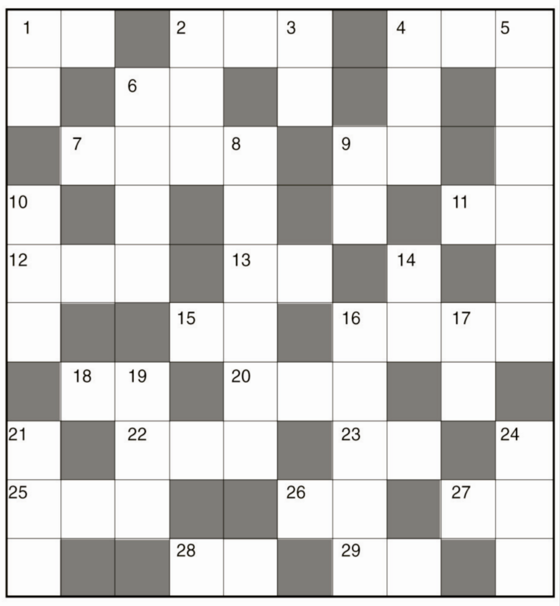

बायें से दायें:-

1. अनिल कपूर, शिल्पा शेट्टी, करिश्मा कपूर अभिनीत फिल्म-2
2. 'दिल का पंक्षी बोले कुकू कुकू' गीत वाली फिल्म-3
4. विनोद खन्ना, अक्षय कुमार दीया मिर्जा अभिनीत फिल्म-3
6. 'तूने अगर प्यार से देखा नहीं' गीत वाली संजय कपूर अभिनीत फिल्म-2
7. 'कसम से तेरी आंखें' गीतवाली फिल्म-4
9. बॉबी देओल, लारा दत्ता, गुल पनाग अभिनीत फिल्म-2
11. 'याद आती है मगर आती नहीं' गीत वाली फिल्म-2
12. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
13. द्विविज काक, रूपा दत्ता की 'तुम से दिल क्या लगा लिया' गीत वाली फिल्म-2
15. कुमार गौरव, माधुरी अभिनीत फिल्म-2
16. 'सर से सरक गई तेरी चुनरी' गीत वाली फिल्म-4
18. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया अभिनीत फिल्म-2
20. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी अभिनीत फिल्म-3
22. अक्षय, रवीना अभिनीत फिल्म-3
23. ऋषि कपूर अभिनीत 'मैं देर करता नहीं' गीत वाली फिल्म-2
25. गणेश यादव, राजन कपूर, ईशा कोप्पिकर अभिनीत फिल्म-3
26. अनिल कपूर, पूनम ढिल्लो अभिनीत फिल्म-2
27. 'क्यूं आंचल हमारा गिरा जा रहा है' गीत वाली फिल्म-2
28. आफताब शिवदासानी,सेलिना जेटली अमृता अरोड़ा अभिनीत फिल्म-2
29. 'मैं ऐसा क्यों हूं' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. विनोद खन्ना, रणदीप हूडा, तनुश्री दत्ता सीमा बिस्वास अभिनीत एक फिल्म-2
2. 'बस एक जरा कहा तुम मानो' गीत वाली फिल्म-3
3. 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली अजय देवगन की फिल्म-2
4. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' संजय दत्त अभिनीत फिल्म-3
5. अमिताभ, अक्षय कुमार, रिमि सेन की फिल्म-3,3
6. 'मेरे संग संग आया तेरी यादों का मेला' गीत वाली धर्मेन्द्र अभिनीत फिल्म-4
8. 'कहीं दीप जले कहीं दिल' गीतवाली फिल्म-2,2,2
9. अक्षय कुमार, ट्विंकल खन्ना राखी मल्होत्रा अभिनीत फिल्म-2
10. सनी देओल, अमृता सिंह अभिनीत फिल्म-3
14. 'मुझे नींद न आए मुझे चैन न आए' गीत वाली फिल्म-2
16. 'हमें तो लूट लिया मिल के हुस्न वालों ने' गीत वाली फिल्म-2,3
17. 'धक धक करने लगा' गीत वाली फिल्म-2
19. फिल्म 'अवतार' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-3
21. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-3
24. शाहिद कपूर, अमृता राव अभिनीत फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-2151

ऐ	त	बा	र		जु	र्म		जी	
त		द		क	र्मा		घा	त	क
रा	हु	ल		री	ना	रा	य		र्म
ज			हि	ना		जा	ल		यो
	फ	की	रा		शी	बा		बा	गी
क	र्ज		स	नी		बू	म		
र		शी	त	ल			हा	सि	ल
म	हा	न		क	न्या	दा	न		व
	द		ना	म		दा	ता		स्टो
सं	सा	र		ल	की			नू	री

वैश्विक बाजारों में तेजी से सेंसेक्स, निफ्टी शुरुआती गिरावट से उबरे

मुंबई । घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को शुरुआती गिरावट से उबरकर मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। वैश्विक बाजारों में तेजी आने के साथ कारोबार समाप्त होने से पहले ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी और वाहन शेयरों में लिवाली से बाजार लाभ में दिखाई दिया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 16.17 अंक की बढ़त के साथ 53,177.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 389.75 अंक तक लुढ़क गया था।वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 18.15 अंक के लाभ के साथ 15,850.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील और लार्सन एंड टूब्रो प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, गिरावट वाले शेयरों में टाइटन, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं।

रुपया रिकॉर्ड लो पर

मंगलवार के कारोबार में रुपया ने फिर से एक नया रिकॉर्ड लो बनाया है। मंगलवार के इंट्रा डे में रुपये ने रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की। रुपया ने नया लो लगाते हुए 78.78 रुपए पर बंद हुआ। यह सोमवार को एक डॉलर के मुकाबले 78.34 पर थी। वहीं एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग शुरुआती गिरावट से उबरते हुए लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख रहा। इसी बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.58 प्रतिशत उछलकर 116.9 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने सोमवार को 1,278.42 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

सोना वायदा कीमतों में 182 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी

नई दिल्ली । मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा बाजार में मंगलवार को सोना 182 रुपये की तेजी के साथ 50,831 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अगस्त महीने की डिलिवरी के लिए सोना 182 रुपये यानी 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 50,831 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें 11,628 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली करने से सोना वायदा कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयार्क में सोना 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,828.30 रुपये प्रति औंस हो गया।

सीनियर सिटीजन के लिए सेविंग स्कीम बेहतर, मिलता है बैंक से ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली । अगर आप सीनियर सिटीजन हैं और अच्छे रिटर्न के साथ बेहतर सेविंग्स स्कीम चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस सीनियर सिटीजन स्कीम आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकता है. पोस्ट ऑफिस की स्कीम होने के नाते इसमें आपका पैसा सुरक्षित रहता है। इस स्कीम का नाम है पोस्ट ऑफिस सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम। इस स्कीम में आपको बैंक के मुकाबले ज्यादा रिटर्न भी मिलता है। पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में निवेश करने के लिए आपकी उम्र 60 साल से ज्यादा होनी चाहिए। 55 वर्ष से अधिक और 60 वर्ष से कम आयु के सेवानिवृत्त सिविलियन कर्मचारी, सेवानिवृत्ति लाभ प्राप्त होने के एक महीने के भीतर निवेश कर सकते हैं। 50 वर्ष से अधिक और 60 वर्ष से कम आयु के सेवानिवृत्त रक्षा कर्मचारी भी सेवानिवृत्ति लाभ प्राप्त होने के एक महीने के भीतर निवेश कर सकते हैं। इस सेविंग स्कीम के तहत सिर्फ 1000 रुपए में अकाउंट खोला जा सकता है। इस स्कीम में ज्यादा से ज्यादा 15 लाख रुपए तक निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम में निवेश पर इनकम टैक्स कानून 1961 के सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट ले सकते हैं। पोस्ट ऑफिस इस स्कीम पर ग्राहकों को 7.4 फीसदी ब्याज दर ऑफर करता है। इस स्कीम में आप 5 साल की अवधि के लिए निवेश कर सकते हैं। आप 10 लाख रुपए का निवेश करते हैं तो आपको 7.4 फीसदी की दर से 5 साल बाद 14,28,964 रुपए का रिटर्न मिलता है।

इंडियाबुल्स रियल एस्टेट मुनाफाखोरी का दोषी: एनएए

नई दिल्ली । राष्ट्रीय मुनाफाखोरी-रोधी प्राधिकरण (एनएए) ने इंडियाबुल्स रियल एस्टेट को 6.46 करोड़ रुपए से अधिक के इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ घर खरीदारों को नहीं देने का दोषी पाया है। एनएए ने पाया` कि जीएसटी लागू होने के बाद कीमतों में हुई कमी का लाभ घर खरीदारों को नहीं दिया गया। एक घर खरीदार द्वारा दायर याचिका पर मुनाफाखोरी-रोधी महानिदेशालय (डीजीएपी) ने मामले की जांच की और बिल्डर को मुनाफाखोरी का दोषी पाया। घर खरीदार ने आरोप लगाया था कि इंडियाबुल्स रियल एस्टेट ने विशाखापत्तनम में स्थित सिएरा-विजाग परियोजना में आईटीसी लाभ नहीं दिया।एनएए ने 24 जून के अपने आदेश में कहा कि उक्त धनराशि 18 प्रतिशत की दर से ब्याज के साथ घर खरीदारों को वापस की जाए। मुनाफाखोरी की रकम तीन महीने के भीतर घर खरीदारों को देनी होगी।

विदेशी निवेशकों ने फिर पूंजी निकाली

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों की धन निकासी का सिलसिला टूट नहीं रहा है। पिछले सत्र में भी विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बाजार से 1,278.42 करोड़ रुपए के शेयर बेचकर पैसे निकाल लिए। विदेशी निवेशकों ने जून में ही अब तक करीब 48 हजार करोड़ की पूंजी बाजार से निकाली है। हालांकि, पिछले सत्र में में घेरलू संस्थागत निवेशकों ने 1,184.47 करोड़ रुपए का निवेश किया जिससे बाजार ने बढ़त बनाई।

रिलायंस जियो से मुकेश अंबानी का इस्तीफा, पुत्र आकाश को मिली कमान

मुंबई ।

रिलायंस समूह के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने अपनी दूरसंचार सेवा कंपनी रिलायंस जियो के निदेशक मंडल से इस्तीफा दिया है। साथ ही उनके बड़े पुत्र आकाश अंबानी को कंपनी का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। रिलायंस जियो इंफोकाम ने मंगलवार को शेयर बाजारों को इसकी सूचना दी। इसके मुताबिक, कंपनी के निदेशक मंडल की सोमवार को हुई बैठक में गैर-कार्यकारी निदेशक आकाश अंबानी को कंपनी के चेयरमैन के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दी गई। उसके पहले मुकेश अंबानी ने रिलायंस जियो के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके साथ ही पंकज मोहन पवार को अगले पांच साल के लिए कंपनी के प्रबंध निदेशक पद पर नियुक्त किया गया है। वहीं रमिंदर सिंह गुजराल और के वी चौधरी को स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया गया है।

श्रीलंका में आर्थिक संकट गहराया, ईंधन की बिक्री पर लगी रोक

नई दिल्ली ।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे श्रीलंका में अब आवश्यक सेवाओं को छोड़कर बाकी किसी को ईंधन नहीं बेचा जाएगा। सरकार के एक प्रवक्ता ने इसकी घोषणा की है। खबरों के अनुसार, श्रीलंकाई सरकार के पास 9,000 टन डीजल और 6,000 टन पेट्रोल बचा है। वहीं श्रीलंका में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की लोकल यूनिट ने बताया है कि उसके पास 22,000 टन डीजल और 7,500 टन पेट्रोल बचा है। गौरतलब है कि श्रीलंका अपनी ट्रांसपोर्ट जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिदिन 5,000 टन डीजल और 3,000 टन पेट्रोल का इस्तेमाल करता है। आईओसी श्रीलंका को उम्मीद है कि 13 जुलाई तक कुल 30,000 टन पेट्रोल और डीजल की शिपमेंट उसके पास पहुंच जाएगी। इसके अलावा श्रीलंकाई सरकार को कहीं से ईंधन की खेप की कोई उम्मीद नहीं है। देखा जाए तो श्रीलंकाई सरकार के स्टॉक में केवल 4-5 दिन का ईंधन बचा है। बताया जा रहा है ` कि यह ईंधन अस्पतालों को दिया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय ईंधन कंपनियों का कहना है कि वह श्रीलंका को स्थानीय बैंक की गारंटी के आधार पर ईंधन नहीं बेच सकती हैं। ऋणों का भुगतान नहीं कर पाने के कारण इन कंपनियों ने श्रीलंका को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। कंपनियों का कहना है कि वह श्रीलंका को ईंधन केवल अंतरराष्ट्रीय गारंटी पर ही देंगी। श्रीलंका के विद्युत प्राधिकरण ने कहा है कि वह ईंधन के आखिरी स्टॉक्स का इस्तेमाल कर रही है। श्रीलंका के पब्लिक यूटिलिटीज कमीशन के चेयरमैन जनका रतनायके के अनुसार देश में पावर कट 3-4 घंटे का ही रखे जाने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन हालात को देखते हुए इसमें आगे बदलाव हो सकता है। श्रीलंका के उच्चायुक्त मिलिंडा मोरागोडा पेट्रोल और डीजल आपूर्ति तत्काल प्राप्त करने की संभावना पर हाल ही में भारत के पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी से बातचीत की।

इस पर केंद्रीय मंत्री ने उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। बता दें कि भारत ने श्रीलंका को करीब 4 अरब डॉलर की आर्थिक मदद दी है। उधर अमेरिका ने भी श्रीलंका को वित्तीय प्रबंधन के लिए तकनीकी सहायता मुहैया कराने का भरोसा दिया है।

डाक विभाग के 4 लाख कर्मचारियों को मिशन कर्मयोगी के तहत ट्रेनिंग मिलेगी

नई दिल्ली ।

भारतीय डाक विभाग के करीब 4 लाख कर्मचारियों को मिशन कर्मयोगी के तहत ट्रेनिंग मिलने वाली है। योजना का लक्ष्य पोस्टल विभाग के कर्मचारियों को काम के लिहाज से लोगों के अनुकूल बनाना है। उन्हें मिशन के तहत इसकी ट्रेनिंग दी जाएगी कि कैसे आम लोगों के साथ अच्छा व्यवहार किया जाता है और बिना टाल-मटोल के उनके काम निपटाए जाते हैं। केंद्रीय मंत्री देवुसिंह चौहान ने इसकी जानकारी देकर कहा कि पोस्टल डिपार्टमेंट में पहले से कई बड़े सुधार किए जा रहे हैं। डिपार्टमेंट ने इंडियन रेलवे के साथ मिलकर ज्वाइंट पार्सल डिलीवरी सर्विस की शुरुआत की है। इसके तहत दोनों सरकारी विभाग मिलकर लोगों को उनके दरवाजे तक सामानों की डिलीवरी दे रहे हैं। इसके अलावा गुजरात के कच्छ जैसे इलाकों में ड्रोन से सामानों की डिलीवरी की जा रही है। उन्होंने कहा, 'डाक विभाग सबसे भरोसेमंद संगठनों में से एक है, जो नागरिकों को सेवा प्रदान कर रहा है। डाककर्मी और 2.5 लाख ग्रामीण डाक सेवक विभाग के फ्रंट वर्कर्स हैं, और वे हर नागरिक को उनके दरवाजे पर सेवा मुहैया करा रहे हैं।

बता दें कि इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के पास अकेले पूर्वात्तर भारत में कुल 10.97 लाख खाते हैं, जिसमें 71.27 करोड़ रुपये जमा हैं। इनमें से ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में हैं। मंत्री ने कहा कि इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की सर्विस इस लिहाज से अहम है कि 6 लाख गांवों में से करीब 25 हजार गांवों में अभी भी मोबाइल कवरेज नहीं है। अब इन गांवों में अतिरिक्त मोबाइल टावर लगाने की एक योजना तैयार की जा रही है। संचार विभाग में राज्यमंत्री चौहान ने बताया कि पूर्वोत्तर भारत में दूरसंचार की सुविधाएं बेहतर बनाने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तरी राज्यों में कुल 42,996 गांव हैं। इसमें से 38,455 गांवों को पहले ही कवर किया जा चुका है। यूनिवर्सल सर्विसेज ऑब्लिगेशन फंड स्कीम के तहत अतिरिक्त 1,632 मोबाइल टावर लगाए जा रहे हैं। मंत्री के अनुसार, %मणिपुर में पिछले 04 साल के दौरान इंटरनेट यूजर्स की संख्या 62 फीसदी बढ़ी है। राज्य के 7 जिलों के 325 ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा जा चुका है। इन्हें भारतनेट स्कीम के तहत ऑप्टिकल फाइबर सर्विस मिली है। इसके अलावा राज्य के 2,515 गांवों में से 2,174 गांवों को मोबाइल कवरेज मिल चुका है। बाकी बचे 341 गांवों में टावर लगाने का प्रस्ताव पहले ही किया जा चुका है।

राज्यों में 2 लाख का सोना ले जाने ई-वे बिल हो सकता है जरूरी

नई दिल्ली । जीएसटी काउंसिल की 28 जून को चंडीगढ़ में होने वाली बैठक में दो लाख रुपये एवं उससे अधिक मूल्य के सोने या कीमती पत्थरों की राज्यों के बीच आवाजाही के लिए ई-वे बिल और ई-चालान अनिवार्य किया जा सकता है। यह व्यवस्था सालाना 20 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार करने वाली कंपनियों के लिए होगी। वर्तमान में 50 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार वाले व्यवसायों को बी2बी लेनदेन के लिए अनिवार्य रूप से ई-चालान जेनरेट करना होता है। हालांकि, यह शर्त सोने और कीमती पत्थरों पर लागू नहीं होती है। पिछले कुछ महीनों में जीएसटी संग्रह में वृद्धि हुई है, लेकिन यह वृद्धि लंबी अवधि के झटके के बाद आई है, खासकर महामारी द्वारा बनाई गई मंदी के कारण।इसके अलावा बैठक में राज्यों को क्षतिपूर्ति की व्यवस्था के साथ कुछ वस्तुओं की टैक्स रेट में बदलाव और छोटे ई-कॉमर्स सप्लायर्स को पंजीकरण नियमों में राहत देने जैसे मुद्दों पर विचार हो सकता है।

देश का पहला ट्रांजिट हब बनेगा जेवर, रनवे का काम हुआ शुरू

लखनऊ।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के रनवे का काम शुरू हो गया है। इस परियोजना से प्रदेश में रोजगार और व्यापार के अवसर बढ़ेंगे। वहीं एशिया पैसेफिक ट्रांजिट हब विकसित करने की योजना भी बनाई जा रही है। देश में अभी किसी एयरलाइंस का ट्रांजिट हब नहीं है। निवाल ने यह सुझाव विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएपीएल) को दिया है। जेवर एयरपोर्ट में एशिया पैसेफिक ट्रांजिट हब विकसित करने की योजना है। इसके लिए किसी बड़ी एयरलाइंस से समझौता होता है। समझौता करने वाली एयरलाइंस अन्य एयरलाइंस को अपने साथ जोड़ती है। हब बनने के बाद उसकी सभी फ्लाइट यहां से होकर गुजरेंगी। सरकार की ओर से मिली जानकारी के अनुसार ट्रांजिट हब बनने से एयरपोर्ट में फ्लाइट का आना-जाना अधिक होगा। जब फ्लाइट अधिक आएंगी तो रोजगार के अवसर बनेंगे। व्यापार भी बढ़ेगा। इसलिए यह हब बनने से अनेक फायदे मिलेंगे। यात्री सुविधाएं, सामान प्रबंधन, इम्मिग्रेशन आदि पर जोर दिया जाएगा एयरपोर्ट में लाउंज से सीधे विमान तक पहुंचने की सुविधा मिल सकती है। यहां पर यात्रियों के सामान को रखने पहुंचाने में नई तकनीक का इस्तेमाल होगा इसके लिए मल्टी लेयर लैगेज पार्किंग बनेगी। यहां पर अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। जेवर एयरपोर्ट में भी पेरिस के ज्यूरिख एयरपोर्ट की तरह तकनीक देखने को मिलेगी।

अमेरिका में 15 हजार उबर ड्राइवर किराए के टेस्ला कार चला रहे

सैन प्रांसिस्को:

राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म उबर ने मंगलवार को घोषणा की कि उसके बेड़े में 15,000 से ज्यादा ड्राइवर कार रेंटल कंपनी हट्र्ज के साथ साझेदारी के जरिए टेस्ला कार चला रहे हैं टेस्ला ने पिछले साल घोषित किए गए अपने विशाल 100,000-वाहन ऑर्डर के मुकाबले कार किराए पर लेने वाली सेवा प्रदाता हट्र्ज को डिलीवरी शुरू कर दी है। द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, उबर के अनुसार, हट्र्ज़ डील उत्तरी अमेरिका में मोबिलिटी प्लेटफॉर्म पर ईवीएस का अब तक का सबसे बड़ा विस्तार है। कंपनी के अनुसार, पिछले साल कार्यक्रम शुरू होने के बाद से, 40 मिलियन मील से अधिक की दूरी पर 5 मिलियन से अधिक टेस्ला सवारी कर चुके हैं। उबेर ड्राइवर जो टेस्ला को किराए पर लेना चाहते हैं, उन्हें कम से कम 150 यात्राएं पूरी करनी चाहिए और पात्र होने के लिए 4.85-स्टार रेटिंग बनाए रखना चाहिए। टेस्ला को किराए पर लेने के लिए प्रति सप्ताह लगभग 300 डॉलर का खर्च आता है, और चुनिंदा अमेरिकी शहरों में ड्राइवरों को प्रति यात्रा एक अतिरिक्त डॉलर (अधिकतम 4,000 डॉलर प्रति वर्ष) प्राप्त होता है। हट्र्ज़-टेस्ला सौदा इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए किराये की कार का अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर था। रेंटल फर्म चार्जिंग स्टेशनों का एक नेटवर्क भी बनाएगी।

अदाणी पोर्ट्स ने निविदा अयोग्यता के खिलाफ बॉम्बे एचसी के आदेश को चुनौती दी

नई दिल्ली। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है, जिसने जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज द्वारा जारी एक टेंडर में उनकी बोली की अयोग्यता के खिलाफ अपनी याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की अवकाश पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख किया और मामले पर तत्काल सुनवाई की मांग की। जेएनपीए द्वारा नवी मुंबई में अपने कंटेनर टर्मिनल के अपग्रेडेशन के लिए निविदा जारी की गई थी। सिंघवी ने कहा कि उनका मुवक्किल भारत का अग्रणी बंदरगाह प्रबंधक है और फर्म को एक बोलीदाता के रूप में मंजूरी दे दी गई थी, हालांकि, बाद में, इसे अयोग्य घोषित कर दिया गया था। पीठ ने उन्हें अपनी रजिस्ट्री के समक्ष मामले का उल्लेख करने के लिए कहा, सिंघवी ने उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला दिया और कहा कि वे फिर से बोली की पेशकश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, असाधारण अत्यावश्यकता है.. कृपया मामले को कल (बुधवार) सूचीबद्ध करें। हालांकि, पीठ ने उन्हें लिस्टिंग के लिए रजिस्ट्री के सामने उल्लेख करने को कहा। सिंघवी ने इसके बाद शीर्ष अदालत से संबंधित अधिकारियों को फैसले पर आगे बढ़ने से रोकने के लिए एक आदेश पारित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, कृपया उसी विषय पर रजिस्ट्री का आदेश दें, हम रजिस्ट्रार को भी संतुष्ट करेंगे.. लेकिन, पीठ ने दोहराया कि सिंघवी को पहले रजिस्ट्री में जाना चाहिए। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा था कि याचिकाकर्ता न्याय के निर्णय के लिए एक अयोग्य मामला लेकर आए, और 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

कंपनी ने उच्च न्यायालय के समक्ष दलील दी थी कि जेएनपीए द्वारा उसकी अयोग्यता अवैध और मौलिक और कानूनी अधिकारों का उल्लंघन है और अदालत से बोर्ड को उच्चतम बोली लगाने वाले घोषित करने से रोकने के लिए निर्देश जारी करने का आग्रह किया था।

कंपनी ने मामले के लंबित रहने के दौरान बोर्ड को किसी अन्य बोली लगाने वाले के साथ रियायत समझौते पर हस्ताक्षर करने से रोकने का निर्देश देने की भी मांग की।

एप्पल से ज्यादा मंहगा हैं इस ब्रांड का फोन, सबसे सस्ता फोन 64 हजार रुपये का

मुंबई । क्या आपको भी लगता है कि स्मार्टफोन बोरिंग होते जा रहे हैं? इनोवेशन के नाम पर डिजाइन में कुछ नया देखने को नहीं मिल रहा है। या फिर जो नया हो रहा उसमें कुछ खास नहीं है? बहुत से लोगों का सोचना ऐसा ही है। अगर आप भी इस तरह की बातें सोचते हैं, तब हम आपके एक खास मोबाइल फोन ब्रांड की जानकारी सामने ला रहे हैं। टेक्नोलॉजी के नाम पर ब्रांड के डिवाइसेस में आपको कुछ नया शायद ना मिले। मगर डिजाइन के मामले में ये फोन आपको लीग से हटकर बना देगा। डिजाइन के साथ-साथ इसकी कीमत भी आपके होश उड़ा देगी। जो लोग एप्पल को महंगा ब्रांड मानते हैं, तो आज आपकी सोच बदल जाएगी। इस ब्रांड का नाम वर्तु है। इसका सबसे सस्ता फोन भी एप्पल के नए फोन के दाम का है। कंपनी का सबसे सस्ता फोन एक की-पैड डिवाइस है, जो 64 हजार रुपये की शुरुआती कीमत पर आता है। हम बात कर रहे हैं, वर्तु सिंगनेचर मोबाइल फोन की। इसके ब्लैक लेदर एडिशन की कीमत 64 हजार रुपये है। अगर आप वर्तु इंडिया डिस्काउंट कोड यूज करते हैं,तब 10 प्रतिशत डिस्काउंट हासिल कर सकते हैं। वहीं इसके वर्तु सिंगनेचर ब्लैक सिल्वर लेदर एडिशन को आप 49,900 रुपये में खरीद सकते हैं। इस फोन में ऐसा क्या खास है, जो इसकी कीमत इतनी है। इसमें 18-कैरेट गोल्ड प्लेटिंग यूज की गई है। फोन टाइटेनियम एलायो बॉडी फ्रेम के साथ आता है, जिस पर लग्जरी ईको लेदर यूज किया गया है। डिवाइस में 18-कैरेट गोल्ड प्लेटेड सिम कार्ड ट्रै मिलता है। फोन में सिंगल सिम कार्ड स्लॉट दिया गया है, जो एलटीआई 4जी+ सपोर्ट के साथ आती है। डिवाइस में 2- इंच का क्यूवीजीए टीएफटी एलसीडी डिस्प्ले मिलता है।

इसमें ब्लूटूथ, 3जीवी, एमपी 4 का सपोर्ट मिलता है। फोन में 1050एमएएच की बैटरी दी गई है। यानी ये एक फीचर फोन है, जिसके लिए आपको कम से कम 64 हजार रुपये खर्च करने होगा, इसके दूसरे वेरिएंट की कीमत इससे भी ज्यादा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीसी रैंकिंग: भारतीय स्पिनर राधा यादव की रैंकिंग में सुधार, 13वें स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)।

श्रीलंका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत की बायें हाथ की स्पिनर राधा यादव आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) महिला टी20 खिलाड़ियों की रैंकिंग में 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

आईसीसी द्वारा जारी नवीनतम रैंकिंग के मुताबिक श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला में चार विकेट हासिल करने के बाद राधा गेंदबाजों की सूची में सात पायदान आगे बढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं। भारत ने तीन मैचों की इस श्रृंखला को 2-1 से जीता था। बल्लेबाजों की तालिका में श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू तीन मैचों में 139 रन बनाकर करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गई हैं।

उन्होंने दाम्बुला में अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय में नाबाद 80 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी। वह हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में भी दो स्थान के सुधार के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गयी हैं। भारत की स्मृति मंधाना (चौथे), जेमिमा रोड्रिग्स (14वें) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (18वें) ने बल्लेबाजी सूची में अपने स्थान बरकरार रखे हैं। रैंकिंग में आगे बढ़ने वाली अन्य भारतीय गेंदबाज पूजा वस्त्राकर हैं, जो 30 पायदान ऊपर चढ़कर 32वें स्थान पर पहुंच गयी हैं।

रेणुका ठाकुर 83 स्थान की छलांग लगाकर 97वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वस्त्राकर और रेणुका ने टी20 श्रृंखला में दो-दो विकेट हासिल किए। इस बीच श्रीलंका की अनुष्का संजीवनी बल्लेबाजों में चार पायदान ऊपर 60वें स्थान पर पहुंच गई हैं। टीम की स्पिनर ओशादी रणसिंघे (11 पायदान के फायदे से 26वें), सुगंधिका कुमारी (नौ पायदान के फायदे से 40वें स्थान पर) और इनोका रणवीरा (16 पायदान के सुधार के साथ 47वें) ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है।

नोवाक जोकोविच ने जीत के साथ शुरू किया विम्बलडन का अभियान

लंदन (एजेंसी)।

शीर्ष वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच ने विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट में क्वोन सून-वू के खिलाफ जीत के साथ अपने अभियान को शुरू किया। एटीपी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज सर्बिया के जोकोविच ने सेंटर कोर्ट में दो घंटे 27 मिनट तक चले पुरुष एकल मैच में कोरिया के सून-वू को 6-3, 3-6, 6-3, 6-4 शिकस्त दी।

रैंकिंग में 81वें स्थान पर काबिज कोरिया के खिलाड़ी ने 3 बार के गत विजेता को दूसरे सेट में कड़ी टक्कर दी। लेकिन अपना सातवां विम्बलडन खिताब जीतने उतरे जोकोविच ने इसके बाद सून-वू को वापसी का मौका नहीं दिया। ऑल इंग्लैंड क्लब में जोकोविच की यह 80वीं जीत है और वह चारों ग्रैंड स्लैम में 80 या इससे अधिक मैच जीतने वाले पुरुष और महिला वर्ग के पहले खिलाड़ी हैं।

महिला एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त औंस जब्योर और एलिसन रिस्के भी दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रहे। अमरीका की 28वीं वरीयता प्राप्त रिस्के ने स्विट्जरलैंड की यलेना इन-अलबोन को आसानी से 6-2, 6-4 से शिकस्त दी। ट्यूनिशिया की जब्योर ने स्वीडन की क्वालीफायर खिलाड़ी मिर्जम ब्योर्कलुंड को एकतरफा मैच में 6-1, 6-3 से हराया।

कीवियों पर जीत से गदगद स्टोक्स ने भारत को ललकारा,
-कहा जज्बे में नहीं आएगी कोई कमी

लीड्स (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड को पराजय की करारी धूल चटाने के बाद इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की नजर भारत के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट मैच पर है। कीवियों पर जीत से गदगद स्टोक्स ने कहा कि भारत के खिलाफ होने वाले टेस्ट में उनकी टीम के जज्बे में कोई कमी नहीं आएगी। नए कप्तान स्टोक्स और नए कोच ब्रैंडन मैक्कुलम के नेतृत्व में इंग्लैंड ने गत विश्व टेस्ट चैम्पियन न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट पिछले साल की 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का बचा हुआ टेस्ट है, जिसे मेहमान टीम के खेमे में कोविड-19 मामले आने के कारण रद्द कर दिया गया था। यह टेस्ट शुक्रवार से खेला जाएगा। स्टोक्स ने सोमवार को कहा, 'जब मैं यह बोल रहा हूं तो मुझ पर विश्वास कीजिए। हम इसी (आक्रामक) मानसिकता के साथ उतरेंगे, हालांकि यह अलग विरोधी है।' उन्होंने कहा, 'बेशक, यह पूरी तरह से अलग होगा। उनका आक्रमण और खिलाड़ी भी अलग। ' स्टोक्स ने कहा, 'हम इस पर ध्यान लगा रहे हैं कि इन पिछले तीन मैच में हमने क्या अच्छा किया है और शुक्रवार को भारत के खिलाफ भी इसे जारी रखने का प्रयास करेंगे।' भारत पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे चल रहा है, लेकिन इंग्लैंड की तरोताजा टीम से भिड़ेगा, जिसमें पिछले साल भारत के खिलाफ चौथा टेस्ट खेलने वाली टीम के सिर्फ 4 सदस्य (ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो और जेम्स एंडरसन) शामिल हैं। पिछले साल स्टोक्स भी सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं थे, क्योंकि उन्होंने अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए ब्रेक लिया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पूर्व पिछले कुछ महीनों में इंग्लैंड की टीम मुश्किल दौर से गुजर रही थी और इस दौरान 17 टेस्ट में सिर्फ एक जीत दर्ज कर पाई। टीम के अपने साथियों की सराहना करते हुए स्टोक्स ने कहा, 'दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ 3-0 से सीरीज जीतना काफी विशेष शुरुआत है। '

वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश को 10 विकेट से हराकर टेस्ट श्रृंखला जीती

ग्रॉस आइलेट (सेंट लूसिया)।(एजेंसी)।

वेस्टइंडीज ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट में सोमवार को यहां बांग्लादेश को 10 विकेट से हराकर दो मैचों की श्रृंखला 2-0 से जीत ली। मेजबान वेस्टइंडीज ने दोनों टेस्ट चार दिन के अंदर जीते। मैदान गीला होने के कारण सोमवार को पहले दो सत्र का खेल नहीं हो पाया। बांग्लादेश की टीम हालांकि जब छह विकेट पर 132 रन से आगे खेलने उतरी तो सिर्फ 12 ओवर में ही मैच का नतीजा आ गया। बांग्लादेश ने जब दिन का खेल शुरू किया तो वह वेस्टइंडीज के पहली पारी के स्कोर से 42 रन पीछे थी। बांग्लादेश ने नौ ओवर में 54 रन जोड़े और पूरी टीम 186 रन पर सिमट गई।

नुरूल हसन 50 गेंद में 60 रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज को जीत के लिए 13 रन की दरकार थी जिस लक्ष्य को सलामी बल्लेबाजों जॉन कैंपबेल (नाबाद 09) और कप्तान क्रेग ब्रेथवेट (नाबाद 04) ने 17 गेंद में ही हासिल कर लिया। बांग्लादेश की टेस्ट क्रिकेट में यह 100वीं हार है। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 234 रन बनाए थे जिसके जवाब में वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 408 रन का स्कोर खड़ा किया था। तीसरे सत्र मे जब खेल शुरू हुआ तो मेहदी हसन मिराज ने चौके से खाता खोला लेकिन अल्जारी जोसेफ की अगली ही गेंद पर विकेट के पीछे कैच दे बैठे।

जेडन सील्स ने इबादत हुसैन और शरीफुल इस्लाम को एक ही ओवर में खाता खोले बिना पवेलियन भेजकर बांग्लादेश को दोहरे झटके दिए। सील्स, जोसेफ और केमार रोच ने तीन-तीन विकेट हासिल किए। खलील अहमद इससे बाद रन आउट हो गए जिससे बांग्लादेश की पारी का अंत हुआ। नुरूल ने दिन की शुरुआत 16 रन से की। उन्होंने दो छक्कों और पांच चौकों के साथ अपना तीसरा टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने तीनों अर्धशतक वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाए हैं। तीन टी20 और तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला शनिवार से शुरू होगी।

जम्मू-कश्मीर में पहली बार राष्ट्रीय रोइंग चैंपियनशिप में, भाग लेने आए 600 खिलाड़ी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय रोइंग चैंपियनशिप स्पर्धा में 23 राज्यों के करीब 600 खिलाड़ियों ने हिस्सेदारी की है। गौरतलब है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर विश्व प्रसिद्ध डल झील पर पहली बार राष्ट्रीय रोइंग चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है। दरअसल सरकार जम्मू-कश्मीर को भारत का वाटर स्पोर्ट्स हब बनाने की इच्छुक है। इसलिए इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन श्रीनगर में किया गया। वैसे भी श्रीनगर का वाटर स्पोर्ट्स सेंटर कयाकिंग, कैनोइंग और रोइंग जैसे खेलों के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे से लैस है। हम आपको बता दें कि राष्ट्रीय रोइंग चैंपियनशिप में भाग ले रहे खिलाड़ियों की मदद के लिए देश के विभिन्न भागों से 50 रोइंग कोच भी आये हुए हैं। यह चैंपियनशिप जहां युवा खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान कर रही है वहीं उन्हें आपसी सौहार्द और खेल भावना साझा करने का अनूठा अवसर भी प्रदान कर रही है। इस चैंपियनशिप का आयोजन करने वाले रोइंग फेडरेशन का कहना है कि हम भविष्य में भी जम्मू-कश्मीर में ऐसे आयोजन करना चाहते हैं क्योंकि हम कश्मीर के वाटर स्पोर्ट्स को विश्व मानचित्र पर लाना चाहते हैं। इस चैंपियनशिप में कई ऐसे खिलाड़ी भी भाग ले रहे हैं जिन्होंने पहले भी इस खेल में कई पुरस्कार जीते हैं।

टीम इंडिया ने 4 महीने से नहीं खेला टेस्ट मैच, पूर्व दिग्गज बोले- इंग्लैंड का पलड़ा होगा भारी

नई दिल्ली । इंग्लैंड ने वर्तमान की टेस्ट विजेता न्यूजीलैंड को 3-0 की श्रृंखला से पराजित कर दिया है। इस श्रृंखला में इंग्लैंड बेहद आक्रामक क्रिकेट खेला। इस जीत के बाद टीम के हौसले बहुत बुलंद है। अब इंग्लैंड का मुकाबला 1 जुलाई को भारतीय टीम से होने वाला है। जहां इंग्लैंड न्यूजीलैंड को हराकर आत्मविश्वास से लबरेज है वहीं भारतीय टीम ने मार्च के बाद से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। मार्च में टीम इंडिया ने श्रीलंका को 2-0 से हराया था। इसलिए इंग्लैंड की टीम बर्मिंघम में भारतीय टीम के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकती है। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर ग्रीम स्वान का मानना है कि इस मैच में भारतीय टीम पर इंग्लैंड की टीम पर भारी पड़ सकती है। स्वान का मानना है कि भारतीय टीम ने 4 महीने से कोई टेस्ट नहीं खेला है और इसका नुकसान उन्हें हो सकता है वहीं वर्तमान में मूमेंटम इंग्लिश टीम के साथ है। स्वान का कहना है कि इंग्लैंड की टीम अभी आक्रामक क्रिकेट खेल रही है। टीम के कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले पहले इंग्लिश बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट भी जबरदस्त लय में है। हालांकि टेस्ट चैंपियनशिप में टीम इंडिया की स्थिति इंग्लैंड से बेहतर है। भारत तीसरे स्थान पर है। टीम का विनिंग पर्सेंट 58.33 है। 71.43 प्रतिशत अंकों के साथ साउथ अफ्रीका दूसरे नंबर पर है। पहले नंबर पर ऑस्ट्रेलिया ने कब्जा जमा रखा है। वहीं इंग्लैंड की टीम 7वें नंबर पर है टीम की जीत का प्रतिशत 28। 89 है। हालांकि विराट कोहली की फॉर्म टीम की लिए चिंता का विषय है।

30 जून को तय होगा रोहित इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट खेलेंगे या नहीं

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा हाल ही में कोरोना संक्रमित पाए गए थे। इसके बाद से रोहित के बर्मिंघम टेस्ट में खेलने को लेकर संशय बना हुआ हैं। कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद रोहित को होटेल रूम में डॉक्टरों की निगरानी में आइसोलेट किया गया है। इस बीच रोहित शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें वे स्माइल करते हुए थम्स अप का इशारा करते नजर आ रहे हैं। इसके बाद अब फैंस को उम्मीद है कि रोहित इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में खेल सकते हैं। रोहित इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट खेलने वाले हैं, या नहीं इसका फैसला 30 जून को होगा। 30 जून को एक बार फिर रोहित का आरटीपीसीआर टेस्ट होगा। अगर इस टेस्ट में रोहित की रिपोर्ट निगेटिव आती है तब वहां बर्मिंघम टेस्ट में खेल सकते है। भारतीय टीम एजबेस्टन टेस्ट के लिए 28 जून यानी मंगलवार को बर्मिंघम रवाना होगी। टेस्ट के लिए अगर रोहित शर्मा की टीम में वापसी नहीं होती है, तब तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टीम इंडिया की कप्तानी कर सकते हैं। इससे पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ रोहित शर्मा को आराम दिया गया था उस वक्त केएल राहुल को कप्तानी दी गई थी लेकिन चोट के कारण वे सीरीज से बाहर हो गए और ऋषभ पंत को कप्तान बनाया गया। अफ्रीका के खिलाफ यह सीरीज 2-2 से बराबरी पर छूटी थी।

भुवनेश्वर ने टी20 करियर में 64 मैचों की 63 पारियों में 24.1 के एवरेज से टकराए 64 विकेट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टीम इंडिया के 32 वर्षीय अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार आयरलैंड के खिलाफ सीरीज के पहले टी20 मुकाबले में जबर्दस्त प्रदर्शन किया। उन्होंने टीम के लिए गेंदबाजी की शुरूआत करते हुए पहले ही ओवर की पांचवीं गेंद पर पहली सफलता दिलाई। विपक्षी टीम के कप्तान एंड्रयू बालबर्नी, भुवनेश्वर की पांचवीं गेंद को रक्षात्मक ढंग से रोकना चाहते थे, लेकिन गेंद उनको चकमा देते हुए उनके ऑफ स्टंप की गिल्ली बिखेरते हुए विकेटकीपर दिनेश कार्तिक के दस्तानों में जा समाई।

पहले टी20 मुकाबले में आयरिश कप्तान की भुवनेश्वर के आगे एक भी न चली। पहले टी20 मुकाबले में वह बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। भारतीय अनुभवी तेज गेंदबाज ने विपक्षी टीम के कप्तान को बोल्ड करते हुए एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। भुवनेश्वर कुमार टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के पहले पावरप्ले में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले वह कीवी तेज गेंदबाज टिम साउदी और पूर्व कैरेबियन स्पिनर सैमुअल बद्री के साथ सयुंक्त रूप से पहले स्थान पर स्थित थे। टिम साउदी और सैमुअल बद्री ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के पहले पावरप्ले में क्रमशः 33-33 विकेट चटकाए हैं। वहीं कुमार के नाम अब 34 विकेट हो गए हैं। इन तीनों खिलाडियों के बाद चौथे स्थान पर बांग्लादेशी स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन और पांचवें स्थान पर ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड का नाम आता है। हसन ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के पहले पावरप्ले में 27 और हेजलवुड ने 26 विकेट चटकाए हैं। बात करें भुवनेश्वर कुमार के टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट करियर के बारे में तो उन्होंने भारतीय टीम के लिए अबतक 64 मैच खेलते हुए 63 पारियों में 24.1 की एवरेज से 64 विकेट चटकाए हैं। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में उनके नाम नाम दो बार चार-चार और एक बार पांच विकेट लेने का रिकार्ड है। कुमार का टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 24 रन देकर पांच विकेट लेने का रहा है।

प्रणीत और समीर मलेशिया ओपन में हारे

कुआलालंपुर। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों बी साई प्रणीत और समीर वर्मा को मंगलवार को यहां मलेशिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के पहले दौर में कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। प्रणीत को दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के

एंथोनी सिनिसुका गिनटिंग ने हराया जबकि समीर को इंडोनेशिया के ही दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा। दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी 30 साल के प्रणीत को गिनटिंग के खिलाफ 50 मिनट चले पुरुष एकल मुकाबले में 15-21 21-19 9-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। इंडोनेशिया के खिलाड़ी ने प्रणीत के खिलाफ चार मुकाबले जीते हैं जबकि तीन में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। दोनों पिछली बार 2020 एशियाई टीम चैंपियनशिप के दौरान भिड़े थे और तब प्रणीत के चोट के कारण हटने पर गिनटिंग ने मैच जीता था। चोट के बाद वापसी कर रहे समीर को भी 49 मिनट चले मैच में क्रिस्टी के खिलाफ 14-21 21-13 7-21 से हार झेलनी पड़ी। युगल में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की महिला जोड़ी पहले दौर में नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा की जापान की छठी वरीय जोड़ी से 15-21 11-21 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गई। अन्य भारतीयों में एचएस प्रणय की भिड़ंत मलेशिया के डेरेन ल्यू से होगी जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दुनिया की आठवें नंबर की जोड़ी मैन वेई चोंग और केई वुन टी की मलेशिया की जोड़ी से भिड़ेगी।

फीडे कैंडीडेट्स शतरंज - कारुआना से ड्रॉ खेल नेपोमिन्सी की बढ़त मजबूत

मेड्रिड ,स्पेन । जैसे जैसे फीडे कैंडीडेट 2022 अपने अंतिम पड़ाव की ओर बढ़ रहा है वैसे वैसे खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे है और मैच के परिणाम रोमांचक हो रहे है । प्रतियोगिता के नौवे राउंड में सबकी निगाहे थी रूस के यान नेपोमिन्सी और यूएसए के फबियानों कारुआना के बीच होने वाले मुकाबले में जहां नेपोमिन्सी

नें एक समय मुश्किल लग रही बाजी आसान एंडगेम में पहुंचाते हुए ड्रॉ करा ली और इसी के साथ जहां नेपोमिन्सी 6.5 अंको के साथ अपनी एकल बढ़त को मजबूत करने में सफल रहे तो कारुआना 5.5 अंको के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए है । नौवे राउंड में खेले गए बाकी सभी मुकाबले जोरदार रहे और सभी मैच में परिणाम जीत हार के तौर पर सामने आया । कल उलटफेर करने वाले यूएसए के हिकारु नाकामुरा को अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव नें ,कल जीतने वाले हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट को फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा नें तो पोलैंड के यान डूडा को चीन के डिंग लीरेन मात देते हुए प्रतियोगिता में ना सिर्फ अपनी पहली जीत हासिल की बल्कि अब ये किसी के भी खिताबी संभावना को मुश्किल में डाल सके है । अन्य खिलाड़ियों में नाकामुरा और डिंग 4.5 अंक जबकि रद्जाबोव ,अलीरेजा और रापोर्ट 4 अंको पर खेल रहे है ।

शानदार करियर के बाद इयोन मोर्गन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

नवई दिल्ली(एजेंसी)।

लंदन। अपने शानदार नेतृत्व कौशल से सीमित ओवरों के प्रारूप में इंग्लैंड को शिखर पर पहुंचने वाले कप्तान इयोन मोर्गन ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। इंग्लैंड के 2015 क्रिकेट विश्व कप में निराशाजनक विफलता के बाद मोर्गन टीम की कमान संभालते हुए सफेद गेंद के प्रारूप में बेखौफ और आक्रामक दृष्टिकोण अपनाकर टीम को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले गये। उनके नेतृत्व में इंग्लैंड 2019 पहली बार एकदिवसीय विश्व कप का चैम्पियन बना और उन्होंने हर बड़ी टीम के खिलाफ श्रृंखला में जीत का स्वाद चखा। उनकी सफलता का प्रतिशत 60 के आसपास है। इंग्लैंड क्रिकेट के प्रबंध निदेशक रॉब की ने कहा, ''जैसा कि सभी महान खिलाड़ियों और कप्तानों के साथ होता है उसने अपनी और और आने वाली पीढ़ियों के लिए खेलने के तरीके को बदल दिया। खेल में उनकी विरासत को आने वाले कई सालों तक महसूस की जाएगी।'' मोर्गन के नेतृत्व में इंग्लैंड की टीम के नाम एकदिवसीय मैचों के तीन बड़े स्कोर है। टीम ने पिछले सप्ताह ही नीदरलैंड के खिलाफ चार विकेट पर रिकॉर्ड 498 रन बनाये थे। वह हालांकि पिछले कुछ समय से बल्ले से दमदार प्रदर्शन नहीं कर पा रहे थे। नीदरलैंड के खिलाफ पिछली श्रृंखला के शुरुआती दो मैचों में वह खाता नहीं खोल सके जबकि तीसरे मैच में चोट के कारण टीम से बाहर रहे। इस 35 साल के खिलाड़ी ने पिछले डेढ़ साल में टी20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय की 48 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक जड़ है। उन्होंने कहा, 'यह निस्संदेह मेरे करियर का सबसे सुखद अध्याय रहा। संन्यास का फैसला करना आसान नहीं था लेकिन मेरा मानना है कि मेरे लिये ऐसा करने का यही सही समय है। मोर्गन के साथ 2019 विश्व कप जीतने वाले इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली भी कप्तान के इस फैसले से हैरान नहीं थे। अली ने बीबीसी को बताया, 'उनके लिए टीम पहले है। यह दिखाता है कि वह कितने निस्वार्थ हैं। उसने उल्लेखनीय काम किया है और वह निश्चित रूप से अब तक का हमारा सर्वश्रेष्ठ कप्तान रहा है।' मोर्गन इंग्लैंड की उस टीम का भी हिस्सा थे जिसने 2010 में टी20 विश्व कप के रूप में पहना वैश्विक खिताब जीता था। उनकी कप्तानी में टीम 2016 में टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी। मोर्गन के नाम सबसे ज्यादा वनडे (225) और टी 20 (115) मैचों के साथ और दोनों प्रारूप में अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है।

लाभदायक व्यवसाय है भारत में पोल्ट्री फार्मिंग

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा।

विश्व स्तर पर, भारत अंडा उत्पादन में दुनिया में तीसरे और चिकन मांस उत्पादन में दुनिया में पांचवें स्थान पर है। यद्यपि उत्पादन मुख्य रूप से व्यावसायिक साधनों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, लेकिन ग्रामीण पोल्ट्री क्षेत्र भी भारतीय पोल्ट्री उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान देता है। कोई भी व्यक्ति पोल्ट्री का बिजनेस शुरू कर सकता है। हालांकि पोल्ट्री बिजनेस को शुरू करने से पहले उचित योजना और प्रबंधन की आवश्यकता होती है। तो चलिए जानते हैं कि कैसे शुरू करें पोल्ट्री का व्यवसाय

उपयुक्त स्थान चुनना

भारत में पोल्ट्री फार्मिंग के लिए मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण बात एक उपयुक्त भूमि का चयन करना है। और यह इस व्यवसाय का सबसे महंगा हिस्सा है। वाणिज्यिक पोल्ट्री उत्पादन स्थापित करने के लिए, यदि आपके पास अपनी खुद की भूमि है तो बेहतर होगा। भूमि का क्षेत्र उन पक्षियों की संख्या पर निर्भर करता है जिन्हें आप पालना चाहते हैं। पोल्ट्री फार्मिंग के लिए जगह चुनते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखें। मसलन, ग्रामीण क्षेत्रों में पोल्ट्री फार्मिंग करें क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि और श्रम अपेक्षाकृत सस्ते हैं। शोर मुक्त और शांत जगह का चयन करें। कोशिश करें कि जगह प्रदूषण मुक्त हो। साथ ही भूमि का चयन करते समय पर्याप्त मात्रा में ताजे और साफ पानी का एक बड़ा स्रोत सुनिश्चित करें। इतना ही नहीं, उस स्थान से शहर में परिवहन व्यवस्था पर भी ध्यान दें और अगर आपके द्वारा चुने गए स्थान के पास ही मार्केट हो तो काफी अच्छा रहेगा। इससे आपका परिवहन का व्यय काफी हद तक बच जाएगा।

वित्त व्यवस्था करना

जमीन खरीदने से लेकर मुर्गी पालन तक आपको काफी खर्चा करना पड़ेगा। इसलिए पहले आप वित्त व्यवस्था की ओर ध्यान दें। अगर आपके पास जमा पूंजी है, तो ठीक है, अन्यथा आप बैंक लोन के बारे में भी विचार कर सकते हैं। वर्तमान में बैंक पोल्ट्री फार्मिंग के लिए लोन प्रदान करते हैं।

मुर्गियों का चयन

पोल्ट्री फार्मिंग में सबसे मुख्य कदम होता है मुर्गियों का चयन करना। दरअसल, आपको पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि मुर्गी पालन के जरिए आप किस तरह आमदनी करना चाहते हैं। मसलन, आप अंडे बेचना चाहते हैं या मीट। अगर आप अंडे उत्पादन करके उन्हें बेचना चाहते हैं तो इसके लिए द्यथभद्गन्मुर्गी का चयन करें। वहीं अगर आप मीट बेचकर पैसे कमाने के इच्छुक हैं तो मुर्गियों को पालना अच्छा रहेगा।

मुर्गी के लिए घर तैयार करना

इसके बाद बारी आती है मुर्गियों के लिए घर तैयार करने की। हालांकि यह जमीन खरीदने जैसा महंगा भी नहीं है। पोल्ट्री पक्षियों के लिए एक अच्छा घर बनाने के कई तरीके हैं। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि घर या पिंजरे पर्याप्त और विशाल हो ताकि पक्षियों को उसमें किसी तरह की परेशानी ना हो। उनके पिंजरे में उचित वेंटिलेशन सिस्टम बनाएं। घर के अंदर पर्याप्त मात्रा में ताजी हवा और प्रकाश का प्रवाह सुनिश्चित करें। यदि आप बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन करना चाहते हैं तो कई घर बनाएं और एक घर से दूसरे घर की दूरी कम से कम 40 फीट रखें। घर को हमेशा साफ और ताजा रखें। और चूजों को खेत में लाने से पहले अच्छी तरह साफ कर लें। इसके अलावा घर के अंदर एक उपयुक्त जल निकासी व्यवस्था बनाएं। यह आपको घर को आसानी से साफ करने में मदद करेगा।

भोजन

अगर आप चाहते हैं कि आपका बिजनेस अच्छा चले तो आपको मुर्गियों का सही तरह से ख्याल रखना होगा। अच्छे और उच्च गुणवत्ता वाले पौष्टिक भोजन कमर्शियल पोल्ट्री उत्पादन के लिए जरूरी है। भारत में कई पोल्ट्री फीड उत्पादक कंपनियां उपलब्ध हैं। वे सभी प्रकार के पोल्ट्री पक्षियों के लिए फीड का उत्पादन करते हैं। आप अपने पक्षियों के लिए उन भोजन का उपयोग आसानी से कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार के पोल्ट्री रोगों के कारण हजारों किसान भारी नुकसान का सामना करते हैं। इसलिए, हमेशा अपने पक्षियों की अच्छी देखभाल करें और उन्हें पौष्टिक भोजन और स्वच्छ पानी प्रदान करें। उनका समय पर टीकाकरण करें और कुछ सामान्य और आवश्यक दवाओं का भंडारण करके रखें।

मार्केटिंग

पोल्ट्री फार्मिंग बिजनेस का आखिरी और सबसे मुख्य स्टेप है मार्केट की तलाश करना। इसके लिए आप सबसे पहले अपने लोकल मार्केट में कस्टमर ढूंढे। विभिन्न दुकानों पर आपके अंडे और मीट बिक सकते हैं। अगर आपको अपने काम के लिए बाजार अपने आसपास ही मिल जाता है तो इससे आपका परिवहन खर्च बच जाएगा और आपकी आमदनी अधिक होगी।

एग्रीकल्चर में भी हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं।

आमतौर पर युवा मानते हैं कि कृषि के क्षेत्र में कॅरियर का कोई स्कोप नहीं है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कृषि सबसे बड़े उद्योगों में से एक है और देश भर में रोजगार का एक अच्छा स्रोत है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि की भी अहम भूमिका है और इसलिए इस क्षेत्र में करियर की कई संभावनाएं देखी जा सकती हैं। एग्रीकल्चर साइंस एक मल्टीडिसिप्लनरी फील्ड है, जिसमें विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक, तकनीकी और व्यावसायिक विषय शामिल हैं। यह कृषि-खाद्य उद्योग और गुणवत्तापूर्ण भोजन के कुशल उत्पादन को बढ़ावा देता है। कृषि क्षेत्र में बागवानी, खेत प्रबंधन, व्यवसाय और उद्योग शामिल हैं जो कृषि उत्पादों की खरीद और प्रक्रिया करते हैं, कृषि मशीनरी, बैंकिंग गतिविधियों का निर्माण करते हैं, गुणवत्ता और कृषि उत्पादों की मात्रा में सुधार के लिए रिसर्च आदि करते हैं। अगर आप भी खेती से जुड़ी बारीकियों को जानना चाहते हैं और बेहतर उत्पादन के जरिए देश की सेवा करना चाहते हैं तो एग्रीकल्चर में कॅरियर बना सकते हैं। तो चलिए जानते हैं विस्तार से इसके बारे में

कोर्स व योग्यता

एग्रीकल्चर फील्ड में प्रोफेशनली कदम रखने के लिए आपको इस क्षेत्र से संबंधित कोर्स करना होगा। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए छात्र विभिन्न तरह के कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर आप डिप्लोमा, बैचलर व मास्टर कोर्स कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप एग्रीकल्चर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषिविज्ञान, बागवानी, फ्लोरीकल्चर, कृषि अर्थशास्त्र, फॉरेस्टी, एग्रीकल्चर जेनेटिक्स, हीड्रोपोनिक्स, वीड साइंस, कृषि एंटोमोलॉजी, कृषि माइक्रोबायोलॉजी, सॉइल साइंस और कृषि रसायन आदि में स्पेशलाइजेशन भी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में बैचलर कोर्स में दाखिला लेने के लिए छात्रों को किसी भी मान्यता प्राप्त स्कूल या बोर्ड से जीव विज्ञान, गणित और भौतिकी विषयों के साथ 12वीं में पास होना अनिवार्य है।

एडमिशन

छात्र राष्ट्रीय, राज्य और विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कृषि पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवार अपनी 12वीं की शिक्षा पूरी करने के बाद इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि कुछ कॉलेज योग्यता परीक्षा की मेरिट सूची के आधार पर प्रवेश भी देते हैं।

कॅरियर स्कोप

वर्तमान में, कृषि क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवर की मांग अधिक है। कृषि क्षेत्र में कोर्स करने के बाद, आप सरकारी के साथ-साथ निजी संगठनों में भी नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। कृषि स्नातक उम्मीदवारों के लिए नौकरी के विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं। एग्रीकल्चर की पढ़ाई करने के बाद आप बागवानी, डेयरी और पोल्ट्री फार्मिंग में नौकरी के अवसर प्रदान करते हैं। इस क्षेत्र में स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में स्नातक पूरा करने और कुछ अनुभव के बाद, आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं जैसे कृषि फर्म, कृषि उत्पाद की दुकान, कृषि उद्योग, आदि। एग्रीकल्चर में स्नातकोत्तर की डिग्री पूरी करने के बाद, आप पर्यवेक्षक, वितरक, शोधकर्ता और इंजीनियर के रूप में काम कर सकते हैं।

वेतन और पे-स्केल

एग्रीकल्चर क्षेत्र स्मार्ट और मेहनती लोगों को एक अच्छा वेतन पैकेज देता है। भारत में कई सरकारी और निजी उद्योग कृषि इच्छुक लोगों को अच्छे वेतन पैकेज प्रदान करते हैं। बीएससी (कृषि) स्नातक के रूप में, आप आसानी से भारत में प्रति वर्ष लगभग 3 से 4 लाख कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
- पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लुधियाना
- अमृतसर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, अमृतसर
- देश भगत यूनिवर्सिटी, पंजाब
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, कृषि विद्यालय, नई दिल्ली

महिलाओं की हर समस्या का उपचार करती हैं गायनेकोलॉजिस्ट

स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टेबल फील हों।

जब भी व्यक्ति को किसी तरह की स्वास्थ्य समस्या होती है तो वह डॉक्टर के पास ही जाता है। लेकिन शरीर की विभिन्न तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए आज के समय में एक अलग डॉक्टर होता है, जो उस क्षेत्र का विशेषज्ञ होता है। वह व्यक्ति की परिस्थिति का गहराई से अध्ययन करके उसका एकदम सही उपचार करता है। ऐसी ही एक शाखा है गायनेकोलॉजी। गायनेकोलॉजिस्ट को स्त्री रोग विशेषज्ञ भी कहा जाता है, जो महिलाओं की विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करती हैं। तो चलिए जानते हैं किस तरह बनें स्त्री रोग विशेषज्ञ

क्या होता है काम

स्त्री रोग विशेषज्ञ महिला अंगों और प्रजनन प्रणाली के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से संबंधित चिकित्सा विज्ञान की शाखा में विशेषज्ञ हैं। पेशेवरों के रूप में, स्त्री रोग विशेषज्ञ महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हैं, महिलाओं के लिए एक प्राथमिक चिकित्सक और अन्य चिकित्सकों के परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हैं। उन्हें प्रजनन प्रणाली में रोगों और विकारों के निदान और उपचार के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। स्त्री रोग विशेषज्ञ गर्भावस्था, यौन स्वास्थ्य और बांझपन या प्रजनन कैंसर जैसी गंभीर प्रजनन समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ का काम महिला जननांग, मूत्र और मलाशय के अंगों से संबंधित बीमारी और मुद्दों की पहचान करना है, रोगी को ठीक करना है और यदि आवश्यक हो, तो विकार को ठीक करने या रोगग्रस्त अंग को हटाने के लिए आवश्यक चिकित्सा सहायता या सर्जरी करते हैं।

योग्यता – स्त्री रोग विशेषज्ञ बनने के लिए, उम्मीदवारों को एमडी (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन)/ एमएस (मास्टर ऑफ सर्जरी)/ डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ मेडिसिन) या स्त्री रोग (डीजीओ) में डिप्लोमा कोर्स करना पड़ता है। इसके अलावा करीबन साढ़े चार साल का एमबीबीएस प्रोग्राम और एक साल की इंटर्निंशप करने के बाद आप गायनेकोलॉजी में पोस्टग्रेजुएट कर सकते हैं। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम्स (एमडी/एमएस/डीएनबी) आमतौर पर 3 साल की अवधि के होते हैं। स्त्री रोग (डीजीओ) पाठ्यक्रम में डिप्लोमा 2 वर्ष की अवधि का है। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है। निजी मेडिकल कॉलेजों के मामले में संस्थानों द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

व्यक्तिगत गुण – स्त्री रोग विशेषज्ञ को विन्रम होना चाहिए। साथ ही उनका कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए, ताकि वह रोगी की छोटी सी छोटी समस्या को सुनकर उसका समाधान कर सकें। कई बार महिलाएं झिझक के कारण अपनी समस्या के बारे में बात नहीं करतीं, ऐसे में आपके पास आकर उन्हें कंफर्टेबल फील हों। इसके अलावा उनमें मजबूत नैतिकता, सेवा मानसिकता, आत्म-प्रेरित और जल्दी से निर्णय लेने में सक्षम होना चाहिए। इन सभी गुणों के अलावा स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास अच्छी याददाश्त और याद रखने की क्षमता होनी चाहिए। एक स्त्रीरोग विशेषज्ञ में जिम्मेदारी की भावना होनी चाहिए, क्योंकि रोगी का जीवन पूरी तरह से उस पर निर्भर करता है।

आमदनी – स्त्री रोग विशेषज्ञ का वेतन उनकी शैक्षिक डिग्री, वर्क एक्सपीरियंस, रोजगार के स्थान पर निर्भर करता है। एक फ्रेशर का वेतन 15000 से 30000 रूपए प्रतिमाह हो सकता है। वहीं चार-पांच वर्षों के अनुभव के बाद आपकी सैलरी 40000 से 80000 रूपए प्रतिमाह हो सकती है। सीनियर लेवल पर यह सैलरी 100000 से 200000 प्रतिमाह हो सकती है।

कॅरियर की संभावनाएं

स्त्री रोग विशेषज्ञ के पास जॉब की कोई कमी नहीं होती। आप सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी अस्पतालों, क्लीनिक, आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप मेडिकल स्कूल या संस्थान में बतौर गायनेकोलोजी लेक्चरर के रूप में काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, आप खुद का क्लीनिक भी खोल सकते हैं।

पाकिस्तान में पोलियो रोधी टीकाकारण टीम पर हमला, दो पुलिसकर्मियों समेत तीन लोगों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत उत्तरी वजीरिस्तान कबायली जिले में मंगलवार को अज्ञात हमलावरों ने पोलियो रोधी टीकाकरण करने गई टीम पर हमला कर दिया, जिसमें दो पुलिसकर्मियों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। अफगानिस्तान से लगे इस जिले में इस साल पोलियो के नौ मामले सामने आ चुके हैं, जिसके खिलाफ टीकाकरण अभियान के सिलसिले में एक टीम घर-घर जा रही थी। तभी बंदूकधारियों ने टीम पर हमला कर दिया, जिसमें टीम के एक सदस्य और उन्हें सुरक्षा प्रदान कर रहे दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। हालिया समय में पाकिस्तान में पोलियो रोधी टीकाकरण अभियानों में शामिल कर्मियों पर हमले बढ़े हैं। इस साल मार्च में उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में बंदूकधारियों ने एक महिला पोलियो कर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी थी, जो पोलियो रोधी अभियान में हिस्सा ले कर लौट घर लौट रही थी। पिछले साल जनवरी में, बंदूकधारियों ने उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में पोलियो टीकाकरण कर्मियों की टीम की सुरक्षा कर रहे एक पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में पाकिस्तान और अफगानिस्तान ही ऐसे देश हैं, जहां पोलियो खत्म नहीं हुआ है।

गर्भपात की गोलियों की पेश करने वाले सभी पोस्ट सोशल मीडिया से हटे

वाशिंगटन।फेसबुक और इंस्टाग्राम ने उन पोस्ट को तुरंत हटाना शुरू कर दिया है जो महिलाओं को गर्भपात की गोलियों की पेशकश करते हैं। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय के एक फैसले के बाद महिलाओं की गर्भपात की गोलियों तक पहुंच खत्म हो सकती है। न्यायालय के इस फैसले से महिलाओं को गर्भपात के मामले में मिला संवैधानिक अधिकार छिन गया है। इस तरह के सोशल मीडिया पोस्ट का उद्देश्य उन राज्यों में रहने वाली महिलाओं की मदद करना था, जहां गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून शुक्रवार को अचानक से लागू हो गए। इसी के साथ उच्च न्यायालय ने रो बनाम वेड के मामले में 1973 के अपने फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें गर्भपात तक पहुंच को संवैधानिक अधिकार घोषित किया गया था। सोशल मीडिया पर मीम और स्टेटस अपडेट बताते हैं कि कैसे महिलाएं कानूनी रूप से मेल के जरिए गर्भपात की गोलियां प्राप्त कर सकती हैं। इनमें से कुछ में इन राज्यों में रहने वाली महिलाओं को नुस्खे भी मेल करने की भी पेशकश की गई थी। हालांकि, फैसला आने के लगभग तुरंत बाद फेसबुक और इंस्टाग्राम ने इनमें से कुछ पोस्ट को हटाना शुरू कर दिया। मीडिया इंटेलिजेंस फर्म जिग्नल लैब्स के एक विश्लेषण के अनुसार, गर्भपात की गोलियों के सामान्य उल्लेख वाले तथा मिफेप्रिस्टोन और मिसोप्रोस्टोल (गर्भपात की गोली का चिकित्सकीय नाम) जैसे विशिष्ट संस्करणों का उल्लेख करने वाले पोस्ट ट्विटर, फेसबुक, रेडिट और टीवी प्रसारणों में शुक्रवार सुबह अचानक बढ़ गए। जिग्नल ने रविवार तक ऐसे 250,000 से अधिक उल्लेखों को दर्ज किया।

अमेरिका: 8 साल के बच्चे ने गलती से चलाई गोलियां, एक की मौत

पेनसाकोला (अमेरिका)। फ्लोरिडा के एक मोटल में आठ वर्षीय एक बच्चे ने रविवार को गलती से गोलियां चला दीं, जिससे एक वर्षीय बच्ची की मौत हो गई और दो साल की एक अन्य बच्ची घायल हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लड़के के पिता ने बंदूक को अपने पेनसाकोला मोटल के कमरे की अलमारी में छिपाकर रखा था। एस्कैम्बिया काउंटी के शेरिफ चिप सिमंस ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जैसे ही लड़के के पिता कमरे से बाहर निकले, उनके बेटे ने बंदूक ढूंढ ली और गोलियां चला दीं, जिससे एक बच्ची की मौत हो गई और एक अन्य बच्ची घायल हो गई। बच्चियां उसके पिता की प्रेमिका की थीं। सिमंस ने कहा कि घायल बच्ची के ठीक होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि लड़के के पिता पर बन्दूक रखने, लापरवाही बरतने और सबूतों से छेड़छाड़ करने समेत अन्य आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया और बाद में 41,000 डॉलर की जमानत पर रिहा कर दिया गया।

जॉर्डन में गैस रिसाव से दस लोगों की मौत, 250 से ज्यादा बीमार

अम्मान। जॉर्डन के दक्षिणी बंदरगाह शहर एक्काबा में जहरीली गैस के रिसाव से सोमवार को दस लोगों की मौत हो गई और 250 से अधिक लोग बीमार पड़ गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सरकारी 'जॉर्डन टीवी' के मुताबिक, एक वीडियो में एक क्रेन द्वारा ट्रक से एक बड़े टैंकर को उठाकर उसे एक जहाज के डेक पर रखते हुए दिखाया गया, जिससे पीले धुएं का एक विस्फोट हुआ और श्रमिकों यहां-वहां भागने लगे। लोक सुरक्षा निदेशालय ने कहा कि गैस टैंक की ढुलाई के समय यह रिसाव हुआ। टैंकर में किस तरह की सामग्री रखी हुई थी इस बारे में पता नहीं चल पाया है। निदेशालय ने कहा कि प्रशासन ने घायलों को अस्पतालों में पहुंचाने के बाद इलाके को सील कर दिया है। रिसाव की जांच के लिए विशेषज्ञ भेजे गए हैं। निदेशालय ने कहा कि दस लोग मारे गए और 251 घायल हुए। सरकारी टीवी अल-ममलका ने कहा कि 199 लोगों का अभी भी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारी डॉ जमाल ओबेदत ने लोगों से अंदर रहने और खिड़कियां और दरवाजे बंद करने का आग्रह किया क्योंकि आवासीय क्षेत्र घटनास्थल से केवल 25 किलोमीटर दूर है।

नासा ने 27 साल में ऑस्ट्रेलिया से पहला रॉकेट लॉन्च किया, करीब के ग्रहों की मिलेगी जानकारी

केनबरा । अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने 27 साल में पहली बार ऑस्ट्रेलिया की धरती से पहला रॉकेट लॉन्च किया। बारिश और हवा के कारण लॉन्चिंग में तय समय की तुलना में कुछ देरी हुई। नॉदर्न टेरिटरी में अर्नहेम स्पेस सेंटर से सबऑर्बिटल साउंडिंग रॉकेट ने सफलतापूर्वक उड़ान भरी। नासा का कहना है कि इससे खगोल भौतिकी का अध्ययन संभव हो सकेगा, जो पहले दक्षिणी गोलार्ध में ही पाता था। वर्ष 1995 के बाद यह पहला मौका है, जब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने ऑस्ट्रेलिया से एक रॉकेट लॉन्च किया है और विदेशी धरती पर एक वाणिज्यिक लॉन्चपैड से इसका पहला प्रक्षेपण किया है। नासा ने कहा कि रॉकेट ने दक्षिणी गोलार्ध में केवल खगोल भौतिकी अध्ययन करने के लिए अंतरिक्ष में लगभग 300 किमी की यात्रा की। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इससे उन्हें करीब के ग्रहों पर तारों की रोशनी के असर का अध्ययन करने में मदद मिलेगी। दूरदराज के इलाकों में जाने वालों को महज 10 सेकेंड के लिए एक जगमगाहट नजर आई। लोगों का कहना था कि उसके बाद यह रोशनी गड़गड़ाहट की आवाज के साथ वह ऊपर चला गया जैसे कुछ था ही नहीं। अंतरिक्ष में इस साउंडिंग रॉकेट की अवधि भी काफी छोटी थी, 13 मीटर लबा यह प्रक्षेप्य 15 मिनट बाद वापस धरती पर गिर गया। लेकिन इस दौरान मिशन के एक्स-रे कैमरा की मदद से अल्फा सेंटोरी ए और बी के रहस्यों को उजागर करने में मदद मिलेगी। दरअसल अल्फा सेंटोरी धरती के नजदीगी डबल-स्टार सिस्टम हैं जो सिर्फ 4 ।3 प्रकाश वर्ष दूर हैं। इस मौके उत्तरी क्षेत्र की मुख्यमंत्री नताशा फाइल्स ने लॉन्च को ऑस्ट्रेलिया के लिए बेहद गर्व का पल बताया और कहा कि यह सब इस क्षेत्र के आदिवासी पारंपरिक मालिकों के आशीर्वाद से संभव हो सका। ऑस्ट्रेलिया ने हाल में अपने अंतरिक्ष प्रयासों में बढ़ोतरी की है। रूस और चीन की अंतरिक्ष में महत्वकांक्षाओं का सामना करने पर केंद्रित एक रक्षा एजेंसी का भी हाल ही में अनावरण किया है। अर्नहेम स्पेस सेंटर दुनिया का पहला कमर्शियल स्वामित्व वाला भूमध्यरेखीय प्रक्षेपण स्थल है। अब अगला लॉन्च 4 जुलाई को होने की उम्मीद है। इस बीच नासा ने सभी सामग्री और मलबा एकत्र करके वापस अमेरिका भेजने का फैसला लिया है।

मिसौरी में ट्रेन हादसे में कई लोगों की मौत की आशंका, 50 से ज्यादा घायल

वाशिंगटन। अमेरिका के मिसौरी में बड़ा ट्रेन हादसा हुआ है। जानकारी के अनुसार मिसौरी में डंप ट्रक से टकराने के बाद एक एमट्रेक ट्रेन पटरी से उतर गई। हादसे में कई लोगों की मौत की खबर हैं, हालांकि स्पष्ट रूप से इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है कि कितने लोगों की मौत हुई है। वहीं हादसे में 50 से ज्यादा लोग के घायल होने की खबर हैं। इसके अलावा हादसे में लगभग चालक दल के 12 सदस्यों के घायल होने की खबर है। ट्रेन ट्रक से टकरा गई जिसके बाद 8 कार और दो लोकोमोटिव पटरी से उतर गए। यह ट्रक मेंडन, मिसौरी के पास एक सार्वजनिक क्रॉसिंग पर खड़ा था। कंपनी के बयान के अनुसार, ट्रेन में लगभग 243 यात्री और चालक दल के 12 सदस्य सवार थे। हादसे के बाद कंपनी ने कहा कि स्थानीय अधिकारी यात्रियों की मदद कर रहे हैं। कंपनी ने बताया, तत्काल रिस्पांस टीम को सक्रिय कर दिया गया है और हम अपने यात्रियों, कर्मचारियों और उनके परिवारों की मदद के लिए घटनास्थल पर आपातकालीन कर्मचारियों को तैनात कर रहे हैं।

स्पेन के स्पेनिश एन्क्लेव में पहुंचने के प्रयास के दौरान 23 प्रवासियों की मौत के विरोध में लोगों ने मैड्रिड में प्रदर्शन किया।

यूक्रेन के मददगार बोरिस जॉनसन ने जेलेंस्की को भेजा यूके आने का आमंत्रण, क्वीन एलिजाबेथ से कराएंगे भेंट

लंदन । रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध लगातार चल रहा है। ब्रिटेन यूक्रेन की हर प्रकार से सहायता कर रहा है। यूक्रेन यूरोपीय संघ की सदस्यता के लिए प्रयासरत जुटा है। इस बीच ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडोमिर जेलेंस्की को लंदन आने का न्योता भेजा है। बोरिस जॉनसन ने कहा कि जेलेंस्की को लंदन आना चाहिए और महारानी एलिजाबेथ-2 से मुलाकात करनी चाहिए। ब्रिटिश पीएम ने हाल ही में यूक्रेन का दौरा किया था। जेलेंस्की के साथ उन्होंने कीव की सड़कों पर युद्ध के हालात का जायजा भी लिया था। ब्रिटेन ने इस जंग में यूक्रेन की हर संभव मदद का ऐलान किया है। ब्रिटेन ने जंग के लिए यूक्रेनी सेना को कई हथियार भी मुहैया कराए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जेलेंस्की की ये यात्रा अक्टूबर में प्रस्तावित है। बोरिस जॉनसन की कंजर्वेटिव पार्टी ने पहले ही इस विचार को मंजूरी दे दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, जॉनसन यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के साथ समन्वय बनाना चाहते हैं, ताकि क्वीन एलिजाबेथ के साथ पूर्ण राजकीय मुलाकात के लिए सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता किया जा सके। उल्लेखनीय है कि क्वीन एलिजाबेथ 1952 में राजगद्दी पर बैठी थीं। हाल ही में उनके शासन को 70 साल पूरे हुए हैं। बीते दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने लंदन की यात्रा की थी और महारानी से मुलाकात भी की थी। इससे पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने 17 जून को कीव का अचानक दौरा किया था।

जी7 समूह दूसरों की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करता है: संयुक्त बयान

एल्माउ (जर्मनी) (एजेंसी)।

जी7 समूह और भारत सहित उसके पांच सहयोगी देशों के नेताओं ने सोमवार को कहा कि वे एक नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहते हैं और अन्य देशों की क्षेत्रीय अखंडता एवं संप्रभुता का सम्मान करते हैं। इन नेताओं ने कहा कि वे संयुक्त राष्ट्र चार्टर में निहित सिद्धांतों का सम्मान करते हैं।

उन्होंने शांति, मानवाधिकारों और कानून के शासन की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। एक अंतर-सरकारी राजनीतिक समूह जी7 ने एक संयुक्त बयान में लोकतंत्र के सिद्धांतों और मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रत्येक देश में मौजूद राष्ट्रीय कानूनों और नियमों के महत्व को स्वीकार किया। इसमें कहा गया है, ''हम, जर्मनी, अर्जेंटीना, कनाडा, फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ के नेता हमारे लोकतंत्रों को मजबूत करने और समानता की दिशा में काम करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।'' इसमें कहा गया है, ''जलवायु परिवर्तन और कोविड-19 महामारी सहित वैश्विक चुनौतियों के लिए समावेशी और स्थायी समाधान और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।''

बयान में कहा गया है, ''हम संयुक्त राष्ट्र चार्टर सहित अंतरराष्ट्रीय कानून , मानवाधिकार, कानून के शासन, मानव सुरक्षा और लैंगिक समानता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं, और हमारे अंतरराष्ट्रीय भागीदारों से इन प्रयासों में शामिल होने का आह्वान करते हैं।'' इसमें कहा गया है, ''हम लोकतांत्रिक व्यवस्था के उन सभी समर्थकों का स्वागत करते हैं जो उत्पीड़न और हिंसा के खिलाफ खड़े होते हैं। हम शांति और समृद्धि के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भागीदारों के साथ जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के आक्रामक कदमों के साथ-साथ यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बीच यह बयान महत्वपूर्ण है भारत, अमेरिका और कई अन्य विश्व शक्तियां क्षेत्र में चीन के आक्रामक सैन्य युद्धाभ्यास की पृष्ठभूमि में एक स्वतंत्र, खुले और संपन्न हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने की आवश्यकता के बारे में बात कर रही हैं।

अमेरिका में अब अवैध गर्भपात पर कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला, विरोध प्रदर्शन जारी

न्यू ऑर्लीन्स (अमेरिका)। (एजेंसी)।

अमेरिका के उच्चतम न्यायालय द्वारा रो बनाम वेड मामले में फैसला सुनाए जाने के बाद सोमवार को लुइसियाना और यूटा की अदालतों ने गर्भपात पर लगे प्रतिबंधों पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी जबकि साउथ कैरोलीना की एक संघीय अदालत ने कहा कि गर्भधारण के छह सप्ताह बाद गर्भपात नहीं कराया जा सकता। उच्चतम न्यायालय द्वारा गर्भपात को मिले संवैधानिक संरक्षण को शुक्रवार को खत्म करने के बाद कई याचिकाएं दायर की गई हैं। एक पक्ष चाहता है कि प्रतिबंध तत्काल लागू हों और दूसरा पक्ष ऐसे कदमों को रोकने या इन्हें लागू करने के लिए और समय की मांग कर रहा है। सोमवार को अदालतों की अधिकांश गतिविधि 'ट्रिगर कानूनों' पर केंद्रित थी जिन्हें 13 राज्यों द्वारा अपनाया गया है।

इन्हें, गत सप्ताह शीर्ष अदालत के फैसले के बाद तत्काल लागू करने के उद्देश्य से बनाया गया था। ''सेंटर फॉर रिप्रोडक्टिव राइट्स'' संगठन की अध्यक्ष और सीईओ नैंसी नॉर्थअप ने शुक्रवार को कहा, 'हम कल अदालत में वापस आएंगे और उसके बाद भी अपील करते रहेंगे।' यूटा और लुइसियाना में 'ट्रिगर कानूनों' को रोकने के लिए तत्काल फैसले दिए गए। यूटा की अदालत ने गर्भपात पर लगे प्रतिबंध पर 14 दिन की रोक लगा दी ताकि इसे चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हो सके। लुइसियाना में गर्भपात पर प्रतिबंध पर अस्थायी रोक लगा दी। वहां इसके विरोध में दाखिल याचिका पर आठ जुलाई को सुनवाई होनी है।

नेपाल की अर्थव्यवस्था पर कब्जा करना चाहता है चीन, बीआरआई डॉक्यूमेंट से हुआ खुलासा

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन अपने महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीएआरआई) के जरिए अन्य देशों पर अपना आर्थिक आधिपत्य जमाना चाहता है। चीन और नेपाल के बीच हुए समझौते से पता चलता है कि कैसे चीन इन प्रोजेक्ट के माध्यम से नेपाल में अपना आर्थिक आधिपत्य स्थापित करना चाहता है। मई 2017 में दोनों देशों के बीच बीआरआई को लेकर समझौता हुआ था, लेकिन पांच साल बीतने के बाद भी दस्तावेज को सावर्जनिक नहीं किया गया है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार चीन ने अपने बीआरआई समझौते के जरिए मुक्त व्यापार कनेक्टिविटी के नाम पर नेपाल में अपने आर्थिक आधिपत्य, शर्तों और निहित स्वार्थ को थोपने की कोशिश की है। रिपोर्ट बताती है कि समझौते डॉक्यूमेंट से साफ पता चलता है कि चीन नेपाल की इकॉनमी पर हावी होना चाहता है और नेपाल में चीनी मुद्रा का इस्तेमाल करने की कोशिश में जुटा हुआ है।

इस डॉक्यूमेंट को सावर्जनिक नहीं होने पर विशेषज्ञों ने चिंता जताई है। राजनीतिक विश्लेषक सरोज मिश्रा ने आशंका जताई है कि डॉक्यूमेंट को सावर्जनिक नहीं करने के लिए चीन का नेपाल पर दबाव हो सकता है। उन्होंने इस बात पर भी चिंता जताई है कि पांच सालों के बाद भी नेपाली आम नागरिक को इस समझौते का सच नहीं पता है। डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि दोनों पक्ष ट्रांसपोर्ट, लॉजिस्टिक सिस्टम, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क सिक्योरिटी और संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर संयुक्त अध्ययन और रेलवे सहित क्रॉस बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा देकर कनेक्टिविटी के लिए सहयोग को मजबूत करेंगे।

2017 में इस समझौते पर साइन करते हुए कहा गया था कि यह समझौता साइन करने की तारीख से प्रभावी होगा और तीन सालों के लिए वैलिड रहेगा, लेकिन पांच साल बीत जाने के बाद भी इस समझौते के तहत एक भी प्रोजेक्ट पर काम नहीं शुरू हो सका है। तीन साल बीत जाने के बाद समझौता ऑटोमेटिक नवीनीकृत हो जाएगा। यह समझौता तभी खत्म हो सकता है, जब तक कि चीन या नेपाल कम से कम तीन महीने पहले लिखित नोटिस देकर समझौते को खत्म नहीं करते हैं।

रूस की आक्रामकता ने पैदा किया तीसरे विश्वयुद्ध का खतरा, 3 लाख सैनिकों को हाई अलर्ट पर रखेगा नाटो

मैड्रिड (एजेंसी)।

यूक्रेन के साथ जंग के बीच रूस से तीसरे विश्वयुद्ध का खतरा पैदा कर दिया है। इसे देखते हुए उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) अपने 3 लाख सैनिकों को हाई अलर्ट पर करने जा रहा है। नाटो महासचिव जेंस स्टोल्टेनबर्ग ने कहा वे सैन्य गठबंधन के वर्तमान रेस्पांस फोर्स को मजबूत बनाएंगे। नाटो ने यह ऐलान ऐसे समय पर किया है, जब रूस के खिलाफ रणनीति बनाने के लिए संगठन की एक बेहद अहम बैठक स्पेन में होने जा रही है।

नाटो ने यह सैन्य अलर्ट तब बढ़ाया है, जब रूस ने यूक्रेन पर अपने हमलों को और ज्यादा तेज कर दिया है। महासचिव जेंस स्टोल्टेनबर्ग ने ब्रसेल्स में संगठन के मुख्यालय में शपथ ली की नाटो के प्रतिरोध और रक्षा में मूलभूत बदलाव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम नाटो के रेस्पांस फोर्स में बदलाव करेंगे और 3 लाख सैनिकों की उच्च स्तर की तैयारी बढ़ाएंगे।

यूक्रेन में रूस के भीषण हमलों से नाटो देशों में भी पुतिन के आक्रमण का डर सता रहा है।

यही वजह है कि नाटो अब रूस से सटे बाल्टिक देशों में अपने रक्षा तंत्र को मजबूत करने जा रहा है। रूस से निपटने के लिए अब फिनलैंड और स्वीडन भी नाटो में शामिल होने के लिए अप्लाइ कर चुके हैं। नाटो की स्पेन में होने जा रही बैठक में स्पेन और फिनलैंड पर चर्चा होगी। इसमें अमेरिकी राष्?ट्रपति जो बाइडन और ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन हिस्सा लेने वाले हैं। माना जा रहा है कि नाटो देशों के नेता सैन्य संगठन के रूस के खिलाफ रवैए में पूरी तरह से बदलाव करने जा रहे हैं। इससे पहले सन 2010 में नाटो ने अपनी अंतिम रणनीति बनाई थी और इसमें उसने रूस को रणनीतिक भागीदार बताया था।

हालांकि, रूस ने सन 2014 में यूक्रेन के क्रीमिया पर कब्जा कर लिया और नाटो देशों के साथ उसका तनाव बढ़ गया है। यही नहीं इसी साल रूस ने यूक्रेन के पूर्वी इलाके में मौजूद विद्रोहियों को भी मदद देनी शुरू कर दी थी। इस साल 24 फरवरी को रूस ने इन्हीं विद्रोहियों की मदद से यूक्रेन के खिलाफ जंग छेड़ दी है। नाटो महासचिव ने कहा कि मैं अपेक्षा करता हूं कि गठबंधन इस बात पर जोर देगा कि रूस हमारी सुरक्षा, हमारे मूल्यों और नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए सीधे तौर पर खतरा बन गया है।

वैज्ञानिकों ने खोजा दुनिया का सबसे बड़ा बैक्टीरिया, इसे खुली आंखों से भी देख पाना संभव

वाशिंगटन (एजेंसी)।

वैज्ञानिकों ने दुनिया के सबसे बड़े बैक्टीरिया की खोज की है। इसकी लंबाई 0.4 इंच तक है। थियोमार्गारीटा मैग्नीफिका नाम की प्रजाति का बैक्टीरिया कैरिबियन में लेसर एंटिल्स के ग्वाडेलोप में एक मैंग्रोव दलदल के पानी में धंसी हुई पत्तियों पर मिला है। इस बैक्टीरिया को आंखों से भी देखा जा सकता है। बैक्टीरिया सफेद रंग का सेंवई के आकार का है। इसमें सूक्ष्म सल्फर ग्रेन्यूल्स होते हैं, जिसके कारण यह मोती जैसी चमक पैदा करता है। यह बैक्टीरिया सामान्य बैक्टीरिया से हजारों गुना बड़ा है, जिस कारण इसे नग्न आंखों से भी देखा जा सकता है। यह बैक्टीरिया उस धारणा को भी चुनौती देता है, जिसके मुताबिक उन्हें सिर्फ माइक्रोस्कोप के नीचे ही देखा जा सकता है। कैलिफोर्निया के समुद्री जीव विज्ञानी जीन-मैरी वोलैंड का कहना है यह सामान्य बैक्टीरिया से लगभग 5000 गुना बड़ा है। अगर इंसान के संदर्भ में कहा जाए तो मान लीजिए कि हम माउंट एवरेस्ट के आकार के किसी इंसान को देखें। उन्होंने कहा कि हमें यह पता है कि ये मैंग्रोव ईकोसिस्टम के तलछट के ऊपर बढ़ रहा है। यह रसायन का संश्लेषण करता है जो पौधों में होने वाले प्रकाश संश्लेषण की ही तरह एक प्रक्रिया है। इसकी खोज 2009 में मूल रूप से फ्रेंच एंटिल्स विश्वविद्यालय के ओलिवर ग्रोस ने की थी। उस दौरान किसी का ध्यान इसकी ओर नहीं गया, क्योंकि इसके आकार के कारण ग्रोस ने सोचा था कि ये एक फंगस है।

2 साल बाद फिर खुले मक्का के दरवाजे, अब तक 47 हजार भारतीय हज करने पहुंचे

मक्का (एजेंसी)।

सऊदी अरब ने इस साल 10 लाख मुस्लिमों को हज करने की अनुमति दी है। 2019 के बाद पहली बार सऊदी अरब विदेशी हज तीर्थयात्रियों का एक बार फिर स्वागत कर रहा है। कोरोना महामारी की वजह से साल 2020 और 2021 में सिर्फ सऊदी अरब निवासियों को ही हज यात्रा की अनुमति थी। सऊदी अरब के हज मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, रविवार की रात तक 2 लाख 66 हजार हाजी पवित्र शहर मक्का और मदीना शरीफ पहुंच चुके थे। 171,606 तीर्थयात्री पिछले कुछ दिनों में मदीना से मक्का के लिए विदा हो चुके हैं, जबकि 95,194 अभी भी इस पवित्र शहर में ही हैं। इस साल कुल 79,237 भारतीय यात्री हज में शामिल होंगे। केंद्रीय हज कमेटी ने 56,637 यात्रियों को हज यात्रा पर जाने की अनुमति दी है। इस बीच, 22600 हज यात्री हज ग्रुप ऑर्गेनाइजर्स (एचजीओ) के माध्यम से सऊदी अरब पहुंचेंगे।

हज 2022 की शुरुआत अगले सप्ताह (7 जुलाई) से होगी, क्योंकि मुस्लिम धुल-हिज्जा महीने (इस्लामिक कैलेंडर वर्ष के 12वें महीने) के आठवें और 13वें दिन के बीच हज की यात्रा पूरी करते हैं। अधिकांश इस्लामिक देशों में ईद-उल-अजहा 9 जुलाई 2022 को मनाए जाने की उम्मीद है। केंद्रीय हज कमेटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जावीद कलंगड़े ने बताया कि 47114 भारतीय तीर्थ यात्री 168 विशेष फ्लाइटों से अभी तक सऊदी अरब पहुंच चुके हैं। इनमें से 44,624 मक्का में हैं, जबकि 2486 मदीना पहुंच चुके हैं।

केंद्रीय हज कमिटी ने मक्का और मदीना में भारतीय हज यात्रियों की सुरक्षा के लिए हर तरह के कदम उठाए हैं। हज कमिटी के अधिकारियों ने बताया कि भारतीय दूतावास के अधिकारी हज यात्रियों की सेहत पर नज़र रख रहे हैं। जावीद कलंगड़े ने बताया कि हज यात्रियों की अंतिम खेप को लेकर मुंबई से अंतिम फ्लाइट 3 जुलाई को रवाना होगी। इसके साथ ही हज कमेटी हज यात्रियों को तीर्थयात्रा पर भेजने का काम पूरा कर लेगा। हज कमेटी ने बताया कि हज की अवधि 8वें जिल-हिज्जा (7वें जिल-हिज्जा की मगरिब की नमाज से) शुरू होगी। मोआल्लिम बसें तीर्थयात्रियों को लेकर मक्का से मीना जाती है जो हरम शरीफ से 7-8 किलोमीटर की दूरी पर है।

हज कमेटी ने हज यात्रियों से अपील की है कि वे मोआल्लिम के कार्यक्रमों पर अमल करें क्योंकि सभी तीर्थयात्रियों पर पर्याप्त नजर रखी जाती है और उन्हें निर्धारित समय पर मीना पहुंचाया जाता है। इसलिए, हज यात्रियों को चाहिए कि वे जहां तक संभव हो, कार्यक्रम का सख्ती से पालन करें और मोआल्लिम के कर्मचारियों के साथ सहयोग करें। मीना में यात्रियों को मोआल्लिम द्वारा उपलब्ध कराए गए शिविरों में ठहराया जा सकता है। हज कमेटी ने हज यात्रियों से कहा है कि वे सोशल डिस्टेसिंग का पालन करें और बेहतर साफ-सफाई बनाए रखें और स्थानीय हज अथॉरिटीज के निर्देशों और स्वास्थ्य दिशा-निर्देशों का पालन करें।

मोहम्मद जुबैर की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा पर बरसीं ममता, बोलीं- नफरत फैलाने वालों को छू तक नहीं रही पार्टी

आसनसोल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को 'ऑल्ट न्यूज' के सह-संस्थापक जुबैर अहमद और कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ की गिरफ्तारी को लेकर मंगलवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा। पश्चिम बर्धमान जिले के आसनसोल में पार्टी की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने अग्निपथ सेना भर्ती योजना को लेकर भी केंद्र पर निशाना साधा और इसे 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले 'बड़ा घोटाला व जुमलों की राजनीति का एक और उदाहरण' करार दिया। बनर्जी ने कहा, ''आपने मोहम्मद जुबैर और तीस्ता सीतलवाड़ को क्यों गिरफ्तार किया है? उन्होंने क्या गलत किया है? क्या सच बोलना या सच को उजागर करना अपराध है? जो लोग इस सरकार के खिलाफ बोल रहे हैं, उन्हें या तो एजेंसियों का इस्तेमाल करके परेशान किया जा रहा है या उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है।'' पैगंबर मोहम्मद के बारे में निलंबित भाजपा नेता नुपुर शर्मा की विवादित टिप्पणी का जिक्र करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि देश में नफरत और हिंसा फैलाने वालों को गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है। बनर्जी ने कहा कि देश में नफरत और हिंसा फैलाने वालों को गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है, कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि समुदायों के बीच दुश्मनी पैदा करने वालों को उन्होंने (भाजपा ने) छुआ तक नहीं, लेकिन ऐसे लोगों के खिलाफ लड़ने वालों को परेशान किया जा रहा है। अग्निपथ योजना के बारे में बनर्जी ने कहा कि केंद्र को इसके तहत भर्ती किए गए सैनिकों की सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष तक बढ़ानी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि वे चार साल का अनुबंध खत्म होने पर अनिश्चित भविष्य का सामना करेंगे।

सिक्किम में कॉलेज के छात्रों को ले जा रही बस पलटी, रांची के 22 छात्र घायल

गंगटोक। पूर्वी सिक्किम में मंगलवार को एक बस के पलट जाने से रांची के एक कॉलेज के 22 छात्र घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि झारखंड की राजधानी रांची में स्थित सेंट जेवियर्स कॉलेज के छात्र सिक्किम घूमने आए थे। उसने बताया कि जब वे रांची वापस जाने के लिए पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी लौट रहे थे, तभी उनकी बस रानीपूल थाना क्षेत्र के 'सेवंथ माइल' में पलट गई। उन्होंने बताया कि घायल छात्रों को ताडोंग के सेंट्रल रेफरल अस्पताल (सीआरएच) में भर्ती कराया गया है।

कोरोना के मामलों में तेजी जारी, 24 घंटे में मिले 11793 केस, 27 लोगों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 11,793 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 4,34,18,839 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 96,700 पर पहुंच गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में संक्रमण से 27 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,25,047 हो गई। देश में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 96,700 हो गई है, जो कुल मामलों का 0.22 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 2,280 की बढ़ोतरी हुई है। अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.57 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 2.49 प्रतिशत, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 3.36 प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल 4,27,97,092 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 197.31 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 26 जनवरी को मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

मुंबई के कुर्ला में चार मंजिला इमारत ढही, 12 लोगों को मलबे से निकाला, 10 लापता

मुंबई। मुंबई में सोमवार देर रात चार मंजिला इमारत ढह गई। उसके मलबे में से अब तक 12 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है, जबकि अन्य 10 के अब भी उसमें फंसे होने की आशंका है। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि कुर्ला की नाइक नगर सोसायटी में स्थित आवासीय इमारत की एक 'विंग' सोमवार देर रात ढह गई, उसके नजदीक स्थित दूसरी 'विंग' के गिरने की आशंका भी बनी हुई है। उन्होंने बताया कि घायलों को घाटकोपर तथा सायन के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है और अन्य लोगों की तलाश के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद दमकल कर्मियों के मौके पर पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने उन्हें मलबे में 20 से 22 लोगों के फंसे होने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दमकल की करीब 12 गाड़ियों के अलावा, दो बचाव वैन मौके पर तैनात है।

ट्विटर ने लिया पाकिस्तानी अकाउंट पर एक्शन, भारत के खिलाफ फैला रहे थे नफरत

नई दिल्ली । भारत में पाकिस्तान के चार दूतावासों के ट्विटर खातों को बंद कर दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तान के तुर्की, संयुक्त राष्ट्र, ईरान और मिस्त्र स्थित दूतावासों के अकाउंट पर ये कार्रवाई की गई है। इसके अलावा ट्विटर ने पाकिस्तान के राष्ट्रीय प्रसारक रेडियो पाकिस्तान का अकाउंट भी बंद कर दिया। भारत में ट्विटर द्वारा इन हैंडल पर प्रतिबंध लगाने के बाद, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय (स्ूस्न्न) ने ट्विटर से तत्काल प्रभाव से हैंडल तक पहुंच बहाल करने का आग्रह किया है। भारत में ट्विटर की कार्रवाई ऐसे समय में आई है जब भारतीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने भारत विरोधी सामग्री फैलाने और भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित गलत सूचना फैलाने के लिए छह पाकिस्तानी चैनलों सहित 16 यूट्युब चैनलों को ब्लॉक कर दिया है। मंत्रालय ने कहा कि हैंडल %भारत में दहशत पैदा करने, सांप्रदायिक विद्वेष भड़काने और सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने के लिए झूठी, असत्यापित जानकारी फैला रहे थे। एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 10 भारतीय यूट्यूब चैनल और छह पाकिस्तानी चैनलों की सामूहिक दर्शकों की संख्या 68 करोड़ थी। उन्होंने कथित तौर पर सरकार द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का भी उल्लंघन किया, जो कि आईटी नियम, 2021 के तहत आवश्यक है।सरकार ने कहा, फ्पाकिस्तान में स्थित ड्डश्व्ह्वअह्वड्ढ चैनलों को भारतीय सेना, जम्मू और कश्मीर जैसे विभिन्न विषयों पर भारत के बारे में फर्जी खबरें पोस्ट करने के लिए गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया था।

लोगों को कांग्रेस को अपना वोट देकर वोट बर्बाद नहीं करना चाहिए: ओवैसी

जबलपुर (मप्र)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस ने देश में अपनी जड़ें एवं ताकत को खो दिया है, इसलिए लोगों को कांग्रेस को अपना वोट देकर वोट बर्बाद नहीं करना चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार भारतीय क्षेत्र में चीनी घुसपैठ को रोकने में विफल रही है। ओवैसी ने मध्यप्रदेश में अगले महीने होने वाले नगर निगम एवं नगर पालिका चुनाव में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने के लिए यहां आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। एआईएमआईएम मध्यप्रदेश के कुछ हिस्सों में पहली बार नगरपालिका चुनाव लड़ रही है।

सरकार का बड़ा फैसला, सिंगल यूज प्लास्टिक के इन सामानों पर पूरी तरह लगेगी रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मोदी सरकार ने 1 जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूरी तरह से लगाम लगाने का निर्णय किया है। मंगलवार को केंद्र सरकार ने ऐलान किया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रीय और राज्य के स्तर पर कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे। सिंगल यूज प्लास्टिक के गैरकानूनी निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण और बिक्री पर रोक लगाने के लिए स्पेशल टीम बनाई जाएगी। पर्यावरण मंत्रालय की ओर से जारी बयान में ये बातें कही गई हैं। मंत्रालय ने कहा कि राज्यों से बता दिया गया है कि एक राज्य से दूसरे राज्य को भी सिंगल यूज प्लास्टिक नहीं भेजी जाएगी। बयान में कहा गया, %सिंगल यूज प्लास्टिक का पर्यावरण पर बुरा प्रभाव पड़ता है। समुद्री प्रकृति भी इससे प्रभावित होती है। सिंगल यूज प्लास्टिक की वजह से बढ़ता प्रदूषण न केवल भारत बल्कि कई देशों के लिए चुनौती बना हुआ है। जिन सिंगल यूज प्लास्टिक के सामान पर रोक लगेगी उनकी लिस्ट इस प्रकार है- प्लास्टिक स्टिक्स, गुब्बारे की प्लास्टिक स्टिक, प्लास्टिक के झंडे, कैंडी स्टिक, आइसक्रीम स्टिक, सजावट का थर्मोकोल, प्लास्टिक प्लेट, कप, ग्लासेज, मिठाई के डिब्बे पर लपेटा जाने वाला पारदर्शी प्लास्टिक, प्लास्टिक के चम्मच, चाकू, स्ट्रॉ, ट्रे, इन्विटेशन कार्ड, सिगरेट पैकेट, 100 माइक्रॉन से कम के पीवीसी बैनर्स। बता दें कि सरकार कई बार प्लास्टिक पर रोक लगाने का फैसला कर चुकी है लेकिन जमीन पर इसका बहुत असर नहीं दिखायी दिया। छोटे व्यापारी भी इसका विरोध करने लगे। सरकार के इस फैसले से लगभग 1 लाख छोटी इकाइयां बंद हो जाएंगी।

अवैध रसोई गैस सिलेंडर से हादसा होने पर मुआवजा नहीं

नई दिल्ली । दिल्ली राज्य उपभोक्ता आयोग ने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि अवैध रसोई गैस सिलेंडर रखने पर होने वाले हादसे के लिए गैस एजेंसी जिम्मेदार नहीं होगी। आयोग ने गैस सिलेंडर ब्लास्ट के मामले में पीड़ितों को मुआवजा देने का आदेश देने से इनकार करते हुए यह फैसला दिया है। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस संगीता धींगरा सहगल और सदस्य राजन शर्मा की बेंच ने कहा है कि तथ्यों से साफ है कि एजेंसी ने उपभोक्ता को कनेक्शन देते वक्त सिर्फ एक ही सिलेंडर दिया था, लेकिन उपभोक्ता ने अवैध रूप से एक अन्य सिलेंडर रखा था। बेंच ने कहा है कि ऐसे में गैस एजेंसी को हादसे के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। बेंच ने कहा है कि 27 अप्रैल 2009 को अपीलकर्ता के घर पर खाली सिलेंडर बदलते वक्त हादसा हुआ और अपीलकर्ता के जवाब से साफ है कि क्षतिग्रस्त सिलेंडर अब भी उसके पास है, जबकि दूसरे खाली सिलेंडर को नए सिलेंडर से गैस एजेंसी ने बदल दिया। ऐसे में गैस एजेंसी का यह दावा सही है कि उपभोक्ता ने अवैध रूप से अतिरिक्त सिलेंडर खरीदकर रखा था। बेंच ने कहा है कि उपभोक्ता ने अवैध सिलेंडर से हादसा हुआ, ऐसे में गैस एजेंसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है और ना ही यह सेवा में कमी का मामला है। यह टिप्पणी करते हुए आयोग ने सिलेंडर ब्लास्ट में एक व्यक्ति की मौत के बदले मुआवजे की मांग को लेकर दाखिल अपील खारिज कर दी। आयोग ने एजेंसी और गैस कंपनी की उस दलील को सिरे से ठुकरा दिया, जिसमें कहा गया था कि हादसे में मरने वाले व्यक्ति के परिजन उपभोक्ता की श्रेणी में नहीं आते हैं, क्योंकि कनेक्शन उनके नाम पर नहीं था।

योगी सरकार के ऐक्शन से सरकारी खजाने को भी लाभ गैंगस्टरों से 844 करोड़ की वसूली

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के गृह विभाग की 100 दिनों की कार्ययोजना में गैंगस्टर एक्ट के तहत 500 करोड़ रुपये की वसूली के सापेक्ष समय से पहले ही 844 करोड़ रुपये की वसूली हो चुकी है। यह जानकारी प्रदेश के अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने दी। उन्होंने बताया कि सोमवार को लोक भवन स्थित गृह विभाग के कमांड सेंटर में हुई बैठक में 100 दिनों की कार्ययोजना की गहन समीक्षा के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि थाना स्तर पर 15 हजार टॉप-10 अपराधियों को चिह्नित कर कार्रवाई किए जाने के लक्ष्य के सापेक्ष कुल 16158 टॉप-10 अपराधी चिह्नित किए गए हैं। इनके विरुद्ध अब तक कुल 83721 मुकदमे दर्ज कराए गए हैं और 648 करोड़ रुपये की सम्पत्ति भी जब्त की जा चुकी है। कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा अपराधियों पर नकेल कसने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यह कार्ययोजना बनाई गई थी। इसके तहत अब 25 के बजाए 50 विभिन्न प्रकार के माफिया जैसे खनन, शराब, पशु, वन व भू-माफिया आदि को चिह्नित कर उनके विरुद्ध हुई कार्रवाई की साप्ताहिक समीक्षा की जा रही है। बैठक में बताया गया कि पांच नई बीडीडीएस टीमों तथा 10 नई एएस चेक टीम के लिए भी जनशक्ति का चिह्नांकन कर लिया गया है। देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त गिरोहों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई है। स्वाट की एक नई कमांडो टीम के गठन एवं उसकी ट्रेनिंग के लिए भूमि तलाश ली गई है। अयोध्या में एसटीएफ की यूनिट का भी गठन किया जा चुका है। इसके अलावा 135 कमांडो की विभिन्न पदों पर नियुक्ति भी की जा चुकी है। भारत-नेपाल सीमा पर स्थित सात जिलों में एसएसबी के साथ समन्वय कर मानव तस्करी की रोकथाम के लिए भी प्रभावी प्रयास किए गए हैं। यूपीएसएसएफ की तीन कंपनियां प्रशिक्षित अपर मुख्य सचिव गृह ने बताया कि पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय मेरठ का नाम परिवर्तित कर धनसिंह गुर्जर पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (यूपीएसएसएफ) की तीन कंपनियों को कानपुर मेट्रो की सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित किया जा चुका है तथा इस बल की एक बटालियन को नई वर्दी से भी लैस किया गया है।

राष्ट्रपति चुनाव में द्रोपदी मुर्मू और यशवंत सिन्हा ही प्रत्याशी नहीं, अब तक कुल 56 लोगों ने किया नामांकन

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रपति चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है। फिलहाल दो उम्मीदवारों की चर्चा सबसे ज्यादा की जा रही है। इसमें एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू और विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा का नाम शामिल है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि राष्ट्रपति चुनाव सिर्फ इन दो लोगों के बीच नहीं हो रहा है। बल्कि राष्ट्रपति चुनाव में अबतक कुल 56 उम्मीदवार पर्चा भर चुके हैं।

द्रौपदी मुर्मू, यशवंत सिन्हा के अलावा लिमका बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवा चुके पद्मराजन भी चुनाव में हैं। उनका चुनाव हारने में रिकॉर्ड है। वह अबतक 231 बार चुनाव लड़ चुके हैं लेकिन कभी नहीं जीते। इसके अलावा राम कुमार शुक्ला भी मैदान में हैं। उनका मानना है कि राष्ट्रपति को कम से कम सुविधाओं के साथ रहना चाहिए। राम कुमार कहते हैं कि अगर वह राष्ट्रपति बने तो बहुत ही सादा जीवन जीकर दिखाएंगे, जिसमें उनका सिर्फ एक घर होगा, मौजूदा राष्ट्रपति की तरह तीन नहीं।

एक अन्य उम्मीदवार का नाम अशोक कुमार ढींगरा है। वह सेना और सैन्यकर्मियों की बात करते हैं और खुद को उचित उम्मीदवार बताते हैं। राष्ट्रपति चुनाव में दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर शंकर अग्रवाल भी मैदान में हैं। इसके अलावा सूरज प्रकाश भी राष्ट्रपति चुनाव लड़ रहे हैं, वह एक्सीडेंट में घायल कई लोगों की अबतक मदद कर चुके हैं। बता दें कि 18 जुलाई को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। वहीं 21 जुलाई को वोटों की गिनती होगी। नामांकन दाखिल करने के लिए 29 जून तक का वक्त और है। ऐसे में और उम्मीदवार भी मैदान में आ सकते हैं। पिछले राष्ट्रपति चुनाव (2017) में 106 उम्मीदवार थे।

कांवड़ लेकर जाना है हरिद्वार तो करना होगा इन नियमों का पालन लाठी-डंडे बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दो साल बाद 14 जुलाई से शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा में कोई भी पहचान पत्र के बिना नहीं आ सकेगा। इसके अलावा सात फीट से ज्यादा ऊंची कांवड़ प्रतिबंधित होगी। धार्मिक भावनाएं भड़काने वाले गाने बजाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को पुलिस मुख्यालय में डीजीपी अशोक कुमार की अध्यक्षता में हुई यूपी, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, राजस्थान, रेलवे सुरक्षा बल और इंटेलिजेंस की बैठक में यह निर्णय लिए गए। 14 से 26 जुलाई तक यात्रा चलेगी- डीजीपी अशोक कुमार ने बताया कि 14 से 26 जुलाई तक कांवड़ यात्रा चलेगी। यहां करीब चार करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। लिहाजा, इस बार कोविड के बाद इसका संचालन काफी बड़ी चुनौती होगी। पूरे कांवड़ क्षेत्र को 12 सुपर जोन, 31 जोन और 133 सेक्टर में बांटा जाएगा, जिसमें लगभग नौ से दस हजार सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। सुरक्षा व्यवस्था के तहत ड्रोन, पीएसी, सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल और सोशल मीडिया की निगरानी भी बढ़ाई जाएगी। आपसी समन्वय के लिए यूपी, हरियाणा और हिमाचल के नोडल अफसर हरिद्वार में बने कांवड़ कंट्रोल रूम में बैठेंगे। इस बैठक में एडीजी सीआईडी हरियाणा आलोक मित्तल, एडीजी कानून व्यवस्था पंजाब ईश्वर सिंह सहित कई अफसर मौजूद रहे। कांवड़ियों को हाईवे के बाएं ओर से भेजा जाएगा। संयुक्त चेकिंग की जाएगी। एडीजी-मेरठ जोन राजीव सभरवाल के अनुसार, इस बार इस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे के कारण रूट में परिवर्तन कर नए रूट बनाए जा सकते हैं।

जर्मनी की यात्रा समाप्त, जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद यूएई रवाना हुए पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जर्मनी में जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के लिए रवाना हुए। मोदी ने जी7 शिखर सम्मेलन से इतर विश्व के कई नेताओं से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने ट्वीट किया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए की गई जर्मनी की यात्रा समाप्त की। इस दौरान उन्होंने वैश्विक चुनौतियों के स्थायी समाधानों पर दो दिन तक उपयोगी वार्ता की। प्रधानमंत्री मोदी अब अबू धाबी रवाना होंगे, जहां वह कुछ देर रुकेंगे। इसके बाद वह नयी दिल्ली पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री खाड़ी देश जाकर यूएई के पूर्व राष्ट्रपति शेख खलीफा बिन जायद अल नाहयान के निधन पर व्यक्तिगत रूप से शोक व्यक्त करेंगे। नाहयान का लंबी बीमारी के बाद 13 मई को निधन हो गया था। वह 73 वर्ष के थे। नाहयान 2004 से सत्ता पर काबिज थे। मोदी ने नाहयान के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें एक ऐसा महान और दूरदर्शी राजनेता करार दिया था, जिनके नेतृत्व में भारत और यूएई के संबंध समृद्ध हुए। मोदी ने ट्वीट किया, ÷एक उपयोगी यात्रा के बाद जर्मनी से रवाना हो रहा हूं। इस यात्रा के दौरान मैंने जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लिया, दुनिया के कई नेताओं के साथ वार्ता की और म्यूनिख में एक यादगार सामुदायिक कार्यक्रम में शिरकत की। हमने वैश्विक कल्याण और समृद्धि को आगे बढ़ाने पर केंद्रित कई मुद्दों पर चर्चा की। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के संयुक्त महासचिव सुरेंद्र जैन ने राज्य सरकारों से अवैध धर्मांतरण और लव जिहाद को रोकने के लिए कानून लाने की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि अवैध धर्मांतरण मानवता के खिलाफ सबसे बड़ा अपराध और हिंसा है। उन्होंने मंदिरों के कथित विध्वंस और सरकारी नियंत्रण, अवैध धर्मांतरण और हिंदू मान्यताओं व देवी-देवताओं के खिलाफ कथित तौर पर बढ़ते नफरत भरे भाषणों पर चिंता जताई। जैन ने कांचीपुरम में विहिप की केंद्रीय शासी परिषद की दो दिवसीय बैठक के समापन पर पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा, ÷विहिप का मानना है कि अवैध धर्मांतरण मानवता के खिलाफ सबसे बड़ा अपराध और हिंसा है। मुल्ला, मौलवी और मिशनरी इस आपराधिक गतिविधि को अपना धार्मिक अधिकार मानकर सभी प्रकार के असंवैधानिक और अनैतिक साधनों का उपयोग कर रहे हैं। विहिप की बैठक में पारित एक प्रस्ताव में राज्य सरकार से अवैध धर्मांतरण और लव जिहाद के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए राज्य सरकारों से कड़े धर्मांतरण विरोधी कानून बनाने का आग्रह किया गया। 2024 में अपनी 60वीं वर्षगांठ के लिए कार्य योजना की घोषणा करते हुए, जैन ने कहा कि विहिप 1 करोड़ से अधिक सदस्यों को नामांकित करेगा और देश भर में 15 लाख कार्यकर्ताओं के साथ अपनी इकाइयों को बढ़ाकर 1 लाख करेगा।

यूपी, बिहार, उत्तराखंड, राजस्थान में भारी बारिश का अलर्ट, 6 जुलाई तक पूरे देश में सक्रिय हो जाएगा मानसून

यूनिख। (एजेंसी)।

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के कई हिस्सों में दस्तक दे चुके मानसून का इंतजार दिल्ली और आसपास के इलाकों में बड़ी बेसब्री से किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून के 6 जुलाई तक पूरे देश में पहुंचने की संभावना है, जबकि सामान्य तिथि 8 जुलाई है। आईएमडी के मौसम का पूर्वानुमान के अनुसार यूपी, बिहार, उत्तराखंड, राजस्थान आदि राज्यों में आने वाले दिनों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

इन राज्यों में बारिश होने की वजह से तापमान में भी कमी आएगी। उधर, गोवा, कर्नाटक आदि में पांच दिनों तक बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी राजस्थान में एक जुलाई को, उत्तराखंड में 30 जून को, पूर्वी राजस्थान में 27 और 28 जून को भारी बारिश होने वाली है। वहीं 28 जून यानी आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बारिश होगी। 29 और 30 जून को हिमाचल प्रदेश में तेज बारिश की संभावना है। उत्तराखंड की बात करें तो यहां 27 से 29 जून तक बारिश होने की उम्मीद जताई गई है। इसके अलावा, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 28 से 30 जून के बीच में बरसात होगी।

अन्य राज्यों की बात करें तो 27 और 28 जून को पश्चिमी मध्य प्रदेश में, 28, 30 जून और एक जुलाई को पूर्वी मध्य प्रदेश में भारी बरसात की संभावना है। छत्तीसगढ़ में 28 जून से लेकर एक जुलाई तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं, विदर्भ में 28-29 जून के बीच बरसात की उम्मीद है। इसके अलावा, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 29 जून से एक जुलाई के बीच बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बताया है कि ओडिशा में 29 जून से एक जुलाई के बीच बारिश होगी। झारखंड में 28 से 29 जून के बीच भारी बारिश होगी। बिहार की बात करें तो 28 और 30 जून को यहां भारी बारिश की संभावना जताई गई है। गोवा और कोंकण इलाके में अगले पांच दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश होने वाली है। उधर, गुजरात, तटीय कर्नाटक, केरल व माहे में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। मध्य महाराष्ट्र में 29 और 30 जून के बीच भारी बारिश होगी। सौराष्ट्र के दक्षिणी इलाकों में एक जुलाई के आसपास भारी बारिश होने की संभावना है।

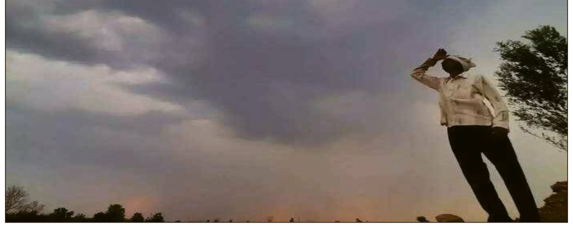

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

पिता ने निद्राधीन बेटे पर कुल्हाडी से वार कर उसे मौत के घाट उतारा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नवसारी,जिले के नारणपोर गांव से दर्दनाक घटना सामने आई है, जिसमें एक पिता ने अपने निद्राधीन बेटे के सिर कुल्हाडी से वारकर उसी मौद के घाट उतार दिया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक नवसारी जिले की खैरगाम तहसील के नारणपोर गांव निवासी करीब एक वर्षीय भगु पटेल नामक युवक सुबह सो रहा था। उस वक्त उसके पिता गणेश पटेल ने कुल्हाडी उठाई और भगु के सिर पर दे मारी। कुल्हाडी का प्रहार इतना जबर्दस्त था कि भगु का सिर फट गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गणेश पटेल ने अपने बेटे भगु की हत्या क्यों की इसका फिलहाल खुलासा नहीं हुआ। सूचना पाते ही खैरगाम पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और आरोपी गणेश पटेल को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरूकी।

चीकलीगर गैंग के दो कुख्यात आरोपी गिरफ्तार, सूरत क्राइम ब्रांच को मिली बड़ी सफलता

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,पुलिस को कई बार चकमा देकर फरार होने में सफल रहे चीकलीगर गैंग के दो कुख्यात आरोपी आज सूरत क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़ गए। सूरत क्राइम ब्रांच ने बारडोली के निकट चीकलीगर गैंग को घेर कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सूरत क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि ईको कार में चीकलीगर गैंग बारडोली के निकट से गुजरने वाला है। सूचना के आधार पर हरकत में आ गई और बारडोली के दस्तान रेलवे क्रॉसिंग के निकट मोर्चा संभाल लिया। ईको कार देखते ही उसे रूकवाया और 12 जितने पुलिसकर्मी लाठियां लेकर

कार पर टूट पड़े। पुलिस की लाठियों की बरसात के बीच चीकलीगर गैंग के दो शख्सों ने भागने का प्रयास किया। भागने के प्रयास में आरोपियों ने पुलिस पर भी कार चढ़ाने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पहले से तैयार थी। क्राइम ब्रांच ने पहले ही रोड पर एकसाइड में कारों का काफिला और दूसरी ओर जेसीबी खड़ा कर रखा था। भागने के प्रयास में ईको कार रोड पर खड़े जेसीबी से टकरा गई। जिसके बाद पुलिस ने कार में सवार चीकलीगर गैंग के दो शख्सों को दबोच लिया। चीकलीगर गैंग सूरत शहर और जिले में घरफोड चोरी, डकैती और हत्या के प्रयास समेत कई मामलों में संलिप्त है। इस गैंग में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात के शख्स भी शामिल हैं और आशंका है उन्होंने अपने प्रदेशों में भी ऐसी घटनाओं का अंजाम दिया होगा। चीकलीगर गैंग के सरगना राजबीर उर्फ जनरलसिंग को पुलिस 3 महीने पहले ही सूरत के डिंडोली भेस्तान से गिरफ्तार कर चुकी है। राजबीर उर्फ जनरलसिंह 26 जितने आपराधिक मामलों में संलिप्त है।

सूरत शहर और जिले में उसका काफी आतंक था। इतना ही क्राइम ब्रांच की टीम पर भी हमला कर फरार हो गया था। चीकलीगर गैंग के सरगना को पकड़ने के बाद अब उसके और दो कुख्यात आरोपियों को सूरत क्राइम ब्रांच ने दबोच लिया है।

चीकलीगर गैंग सूरत शहर या जिले से कार की चोरी करते थे और उसी का उपयोग कर घरफोड चोरी और डकैती जैसी घटनाओं को अंजाम देती थी। वाहन चोरी के साथ ही हत्या के भी कई मामलों चीकलीगर गैंग संलिप्त है।

रथयात्रा से पहले 25000 जवानों का मेगा रिहर्सल, गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी भी हुए शामिल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आगामी अषाढी दूज को अहमदाबाद में निकलने वाली भगवान जगन्नाथजी की 145वीं रथयात्रा की सुरक्षा व्यवस्था से लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इसी कड़ी में आज अहमदाबाद में रथयात्रा से पहले उसके परंपरागत रूट पर 25000 जवानों ने मेगा रिहर्सल किया। गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी भी इसमें शामिल हुए और चप्पे चप्पे पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। शहर के संवेदनशील इलाकों में हर्ष संघवी ने पुलिस के साथ घूम घूम कर सुरक्षा का जायजा लिया। हर्ष संघवी को अपने क्षेत्र में देख स्थानीय मुस्लिम समुदाय के लोगों ने फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया। कई जगह पर हर्ष संघवी पर फूल भी बरसाए गए। दरअसल 1 जुलाई को रथयात्रा किसी प्रकार के विघ्न के बगैर संपन्न हो जाए, इसके सुचारूआयोजन और कानून व्यवस्था के लिए पुलिस की ओर से विशेष आयोजन किया गया है। पेरामोटरिंग और हेलिकॉप्टर से रथयात्रा का निरीक्षण किया जाएगा। इस बार हाईटेक्नोलोजी के साथ 25000 से ज्यादा पुलिस जवानों की तैनाती की जाएगी। साथ ही पेरामिलिटरी फोर्स, एसआरपी और चेतक कमांडो को भी संवेदनशील इलाकों में तैनात किया जाएगा। रथयात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बरकरार रहे, इसलिए आज पुलिस ने मेगा रिहर्सल किया। जिसका मकसद था कि योजना में अगर कोई कमी है तो उसका तत्कालन समाधान कर सुचारूआयोजन किया जा सके। 1 जुलाई को रथयात्रा की सुरक्षा में 4 डीआईजी, 20 एसपी, 38 डीसीपी, 60 डीवायएसपी, 150 पीआई, 300 पीएसआई, 2000 पुलिस जवान, एसआरपी की 21 कंपनी, पेरा मिलिटरी फोर्स की 25 टीम, सेंट्रल पेरा मिलिटरी फोर्स की 22 कंपनी, बोडी वॉर्न कैमरे से लैस जवान समेत कुल 25000 से अधिक पुलिस जवानों को तैनात किया जाएग। आप को बता दें कि अहमदाबाद की रथयात्रा में पहली बार पेरामोटर का उपयोग किया जाएगा। आकाश में उडने वाले पेरामोटर का उपयोग होगा। ड्रोन के साथ-साथ पेरामोटर से भी रथयात्रा पर नजर रखी जाएगी। पुलिस ने अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में पेरामोटर का ट्रायल भी किया है। पेराग्लाइडिंग के जरिए आकाश से जमीन पर नजर रखी जाएगी। पुलिस जवान पेराग्लाइड कर आकाश से रथयात्रा पर नजर रखेंगे।

कांग्रेस के गढ़ में भाजपा ने लगाई सेंध, 300 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने भगवा धारण किया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

तापी,गुजरात विधानसभा के आगामी चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल हरकत में आ गए हैं। चुनाव से पहले दलबदल भी तेज हो गया है। आज तापी जिले के 300 से ज्यादा कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) कार्यकर्ताओं ने भाजपा जॉइन कर ली। जिसमें व्यारा शहर कांग्रेस के प्रमुख भी शामिल हैं। तापी जिले के व्यारा में प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील की अध्यक्षता में व्यारा विधानसभा कार्यकर्ताओं के सम्मेलन का आयोजन किया गया था। भाजपा को कांग्रेस के गढ़ व्यारा में सेंध लगाने में सफलता मिली है। सीआर पाटील की मौजूदगी में व्यारा नगर पालिका में

कांग्रेस के चार नगर पार्षद और व्यारा शहर कांग्रेस प्रमुख समेत 300 से भी ज्यादा कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो गए। कांग्रेस के अलावा आप के भी कई कार्यकर्ताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। पाटील ने कांग्रेस और आप के कार्यकर्ताओं को भगवा पटका पहनाकर भाजपा में स्वागत किया। सीआर पाटील की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में राज्य के पूर्व कैबिनेट मंत्री गणपत वसावा, बारडोली के सांसद प्रभु वसावा समेत भाजपा के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। व्यारा तहसील अब तक कांग्रेस का गढ़ रही है और वहां भी कांग्रेस में टूट का सिलसिला शुरूहो गया है। गौरतलब है कि गुजरात में चुनाव कोई भी हो दलबदल करने वाले सक्रिय हो जाते हैं। खासकर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस में पिछले कई वर्षो से स्थानीय निकाय से लेकर विधानसभा, लोकसभा हो या राज्यसभा का चुनाव से पहले टूट शुरू हो जाती है। दिसंबर में होनेवाले गुजरात विधानसभा के चुनाव से पहले अब तक कांग्रेस के कई मौजूदा और पूर्व विधायकों समेत कई नेता और कार्यकर्ता भाजपा जॉइन कर चुके हैं। जिसमें गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल भी शामिल हैं।